E PAPER

थिंक राजस्थान

सोच नई, राजस्थान के लिए

वर्ष: 01 | अंक: 25 | पृष्ठ: 8 | अंग्रेजी/हिन्दी (दैनिक) | जयपुर, शनिवार 08 अगस्त, 2026 | मूल्य: ₹10.00 | प्रभात | RNI NO. RJMUL/26/A4290

पीयूष गोयल ने ब्रिक्स सम्मेलन में जयपुर की सांगानेरी विरासत का प्रदर्शन किया

जयपुर। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर जयपुर में आयोजित ब्रिक्स व्यापार एवं उद्योग मंत्रियों की बैठक में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों को हस्तनिर्मित जयपुर सांगानेरी शॉल भेंट करके भारत की समृद्ध हथकरघा विरासत को उजागर किया। इस भावार्थ को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए गोयल ने लिखा, "गर्व से भारतीय, गर्व से सांगानेरी।" उन्होंने कहा कि राजस्थान की सदियों पुरानी वस्त्र परंपरा और स्थानीय कारीगरों की शिल्पकारी को श्रद्धांजलि के रूप में उन्होंने इन हस्तनिर्मित शॉल को उपस्थित मंत्रियों और प्रतिनिधियों को भेंट किया। गोयल ने लिखा, "राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर, मैंने ब्रिक्स इंडिया 2026 व्यापार एवं उद्योग मंत्रियों की बैठक में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों को सुंदर हस्तनिर्मित जयपुर सांगानेरी शॉल भेंट किए। हमारे कुशल कारीगर अद्वितीय, कालातीत शिल्पकारी की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं।" अपनी जटिल हस्त-ब्लॉक प्रिंटिंग, प्राकृतिक रंगों और सुंदर पुष्प आकृतियों के लिए प्रसिद्ध सांगानेरी शॉल, राजस्थान की सबसे प्रतिष्ठित पारंपरिक शिल्पकलाओं में से एक हैं।

उत्तराखंड में भीषण सड़क हादसा, 250 फीट गहरी खाई में गिरी बोलेरो, 5 लोगों की दर्दनाक मौत

देहरादून। देवभूमि उत्तराखंड में शुक्रवार को बड़ा सड़क हादसा हो गया। राज्य के पौड़ी-देवप्रयाग मोटर मार्ग पर एक बोलेरो गाड़ी बेकाबू होकर 250 फीट गहरी खाई में गिर गई। इस दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई। वहीं एक शख्स गंभीर रूप से घायल है। मिली जानकारी के मुताबिक, बोलेरो (नंबर UK08 BL 0387) देवप्रयाग से पौड़ी जा रही थी। कुंडधार के समीप कार का ड्राइवर अचानक अपना कंट्रोल खो बैठा और गाड़ी सीधे गहरी खाई में समा गई। हादसे में तेज आवाज हुई, जिसे सुनकर स्थानीय ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और पुलिस को इसकी सूचना दी। थाना देवप्रयाग पुलिस और एसडीआरएफ की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। मृतकों की पहचान अफजाल (49 साल), पत्नी शब्बो (40 साल), बेटी अन्नाविया (3 साल), बेटा शादाब (14 साल), भाई गुफरान (34 साल)। वहीं हादसे में अरमान गंभीर रूप से घायल हुआ है। इस हादसे पर उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने दुख जताया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'देवप्रयाग-पौड़ी मार्ग पर हुई भीषण सड़क हादसे की खबर बहुत दर्दनाक है। जिला प्रशासन को दुर्घटना में घायलों के समुचित और तुरंत उपचार के साथ ही गंभीर रूप से घायलों को जरूरत के मुताबिक एयरलिफ्ट कर हायर सेंटर रेफर करने का निर्देश दिया है। प्रभु बदरी विशाल से सभी घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना करता हूं।'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल - हैंडलूम उत्पाद खरीदकर दिया वोकल फॉर लोकल का संदेश

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर जयपुर के एमआई रोड स्थित हैंडलूम स्टोर पहुंचकर विभिन्न उत्पाद खरीदे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के देशवासियों से किए गए आह्वान को आगे बढ़ाते हुए राज्य सरकार के उपक्रम हैंडलूम स्टोर से खरीददारी कर 'वोकल फॉर लोकल' का संदेश दिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर 'वोकल फॉर लोकल' के साथ हैंडलूम उत्पादों को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि हथकरघा उद्योग लाखों परिवारों की आजीविका का आधार है। राजस्थान के विभिन्न जिलों में बनने वाले स्थानीय हैंडलूम उत्पाद देश और दुनिया के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचते हैं तथा बाडमेर से लेकर सांगानेर व बगरू के उत्पाद पूरी दुनिया में जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों में कारीगरों का परिश्रम और पसीना लगा है। हम सभी को उनके श्रम का सम्मान करते हुए स्थानीय उत्पादों को अपनाकर इन्हें आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे अपने जीवन में 'वोकल फॉर लोकल' की भावना के साथ स्थानीय उत्पादों को खरीदें ताकि छोटे-छोटे कारीगर एवं दुकानदार आर्थिक रूप से सशक्त हो सकें एवं प्रदेश की समृद्ध धरोहर को नई पहचान मिले। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट एवं पंच गौरव कार्यक्रम के माध्यम से प्रत्येक जिले के विशिष्ट उत्पादों को प्रोत्साहित कर रही है। इन कार्यक्रमों के जरिए स्थानीय संस्कृति एवं कला के साथ ही जिले की अर्थव्यवस्था को भी नई दिशा मिल रही है। राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार पारंपरिक हस्तशिल्प और हथकरघा उद्योग को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के बुनकरों और कारीगरों ने अपनी मेहनत, कौशल और रचनात्मकता से राज्य की कला एवं संस्कृति को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान दिलाई है। ऐसे कारीगरों को प्रोत्साहन देना और उनके उत्पादों के लिए बेहतर बाजार उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। मुख्यमंत्री ने हैंडलूम स्टोर का अवलोकन कर विभिन्न प्रकार के वस्त्र, पारंपरिक कपड़े और स्थानीय उत्पादों की जानकारी भी ली। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर निर्मित उत्पाद केवल वस्तुएं नहीं, बल्कि राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक शिल्पकला और कारीगरों

की वर्षों पुरानी मेहनत का प्रतीक हैं। इन उत्पादों को अपनाने से स्थानीय उद्योगों को मजबूती मिलने के साथ-साथ रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए 'वोकल फॉर लोकल' अभियान ने देशभर में स्वदेशी उत्पादों के प्रति लोगों की सोच में सकारात्मक बदलाव लाया है। इससे स्थानीय उद्योगों, लघु उद्यमों और पारंपरिक कारीगरों को नई पहचान मिली है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि त्योहारों, पारिवारिक आयोजनों और दैनिक उपयोग में अधिक से अधिक स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता दें। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट (ODOP) और पंच गौरव कार्यक्रम के माध्यम से प्रत्येक जिले की विशिष्ट कला, शिल्प और उत्पादों को राष्ट्रीय एवं वैश्विक बाजार तक पहुंचाने के लिए कार्य कर रही है। इन योजनाओं के जरिए स्थानीय उद्यमियों, बुनकरों और शिल्पकारों को प्रशिक्षण, विपणन और ब्रांडिंग जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सके। उन्होंने कहा कि हथकरघा उद्योग न केवल लाखों लोगों की आजीविका का महत्वपूर्ण साधन है, बल्कि यह राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान का भी अभिन्न हिस्सा है।

वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन में अब तक 5,500 से अधिक रजिस्ट्रेशन, जिंक सिटी उदयपुर बन रहा देश का नया मैराथन डेस्टिनेशन

उदयपुर। वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन 2026 के आयोजन में अब सिर्फ एक महीना शेष है जिसके लिए अब तक 5,500 से अधिक धावकों ने पंजीकरण करा लिया है। 6 सितंबर को आयोजित होने वाली यह मैराथन अपने तीसरे संस्करण में और भी बड़े स्तर पर आयोजित की जा रही है। इसका उद्देश्य पेशेवर खिलाड़ियों, नए धावकों, परिवारों, विद्यार्थियोंऔर कॉर्पोरेट टीमों को 'वन रन, वन कम्युनिटी' के संदेश के साथ एक मंच पर लाना है। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड द्वारा एनीबडी कैन रन के सहयोग से आयोजित इस मैराथन को एआईएमएस से प्रमाणित किया गया है तथा यह वर्ल्ड एथलेटिक्स से संबद्ध है। फतेहसागर झील, अरावली की पहाड़ियां और उदयपुर के ऐतिहासिक स्थलों से होकर गुजरने वाली यह मैराथन तेजी से देश और विदेश के धावकों के बीच लोकप्रिय हो रही है।

यह आयोजन केवल खेल तक सीमित नहीं है, बल्कि रन फॉर जीरो हंगर अभियान के माध्यम से सामाजिक सरोकारों को भी बढ़ावा देता है। इस वर्ष अब तक 21.097 किमी हाफ मैराथन के लिए 800 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है, जबकि 10 किमी कूल रन के लिए 1,500 से अधिक और 5 किमी ड्रीम रन के लिए 3,200 से अधिक लोगों ने नाम दर्ज कराया है। पिछले वर्ष इस आयोजन में 27 राज्यों और कई देशों से लगभग 7 हजार से अधिक धावकों ने हिस्सा लिया था। इस साल और अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों के जुड़ने की उम्मीद है, जिससे उदयपुर की पहचान देश के प्रमुख रनिंग डेस्टिनेशन के रूप में और मजबूत होगी। उदयपुर की धावक अशिमका शर्मा ने कहा कि, मैं वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन के पिछले दो संस्करणों में भाग ले चुकी हूं। उदयपुर की झीलों, ऐतिहासिक स्थलों और अरावली की खूबसूरत वादियों के बीच दौड़ने का अनुभव बेहद खास होता है। इस वर्ष मैं 21 किमी हाफ मैराथन में हिस्सा लेने को लेकर उत्साहित हूं।

इजरायल की पहल पर प्रधानमंत्री मोदी और नेतन्याहू की टेलीफोन वार्ता, पश्चिम एशिया पर हुई चर्चा

नई दिल्ली। इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बातचीत की जानकारी देते हुए विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह फोन कॉल इजरायल की ओर से आया था। भारत और इजरायल के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी को मजबूती देने के लिए दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच वार्तालाप हुई। साथ ही इस दौरान पश्चिम एशिया के हालात पर भी बातचीत हुई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में प्रधानमंत्री मोदी और इजरायल के प्रधानमंत्री के बीच हुई टेलीफोन बातचीत की जानकारी देते हुए बताया कि यह फोन कॉल इजरायल की ओर से किया गया था, जिसे हमारे प्रधानमंत्री ने स्वीकार किया। उन्होंने बताया कि जैसा कि आप जानते हैं, भारत और इजरायल के बीच एक विशेष रणनीतिक साझेदारी है। दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच बातचीत के दौरान इस बात पर चर्चा हुई कि विभिन्न क्षेत्रों में इस साझेदारी और मित्रता को कैसे ज्यादा मजबूत किया जा सकता है। इसके साथ ही दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति और वहां हो रहे ताजा घटनाक्रमों पर भी विचार-विमर्श किया। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गुरुवार को प्रधानमंत्री मोदी से फोन पर बात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच पश्चिम एशिया में हाल के घटनाक्रमों को लेकर बात हुई। दोनों नेताओं ने भारत-इजरायल विशेष रणनीतिक साझेदारी में हो रही लगातार प्रगति की समीक्षा की और इस बात की पुष्टि की कि वे दोनों देशों के पारस्परिक हितों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मंत्रालय के अनुसार, प्रधानमंत्री नेतन्याहू और प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम एशिया में हाल के घटनाक्रमों पर भी अपने विचार साझा किए। साथ ही दोनों नेताओं ने आगे भी आपस में संपर्क बनाए रखने पर सहमति जताई। पिछले तीन दशकों में भारत और इजरायल ने एक ऐसा संबंध बनाया है, जो मुख्य रूप से रणनीतिक भरोसे पर

आधारित है। रक्षा सहयोग, काउंटर-टेररिज्म, इंटेलिजेंस शेयरिंग और कृषि इनोवेशन एक बढ़ती हुई परिपक्व साझेदारी के स्तंभ बन गए हैं। फिर भी, जहां राजनीति और सुरक्षा संबंध काफी बढ़े हैं, वहीं आर्थिक संबंध अपनी क्षमता के हिसाब से नहीं चल पाए हैं। भारत इजरायल फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) के लिए चल रही बातचीत इसे बदलने का मौका देती है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच हुई बातचीत में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया गया। दोनों नेताओं ने रक्षा, कृषि, नवाचार, प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा, व्यापार और निवेश जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और विस्तार देने की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने दोनों देशों के बीच वर्षों से विकसित हुए रणनीतिक विश्वास को भविष्य में भी और मजबूत बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराई। दोनों देशों के बीच नियमित उच्च स्तरीय संवाद और विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ता सहयोग इस रिश्ते की मजबूती को दर्शाता है।

सुप्रीम कोर्ट ने महुआ मोइत्रा को लगाई फटकार, आखिर क्यों

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा की उस याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया, जिसमें उन्होंने कथित रूप से हिंसा भड़काने वाले सार्वजनिक बयानों से जुड़े मामले में जांच अधिकारी (आईओ) के समक्ष व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के बजाय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश होने की अनुमति मांगी थी। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति शील नागू की पीठ ने मोइत्रा की इस मांग के आधार पर सवाल उठाते हुए संकेत दिया कि उन्हें जांच में व्यक्तिगत रूप से सहयोग करना होगा। सुनवाई के दौरान महुआ मोइत्रा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि उनकी मुवक्किल को जांच में शामिल होने पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन वह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जांच में शामिल होना चाहती हैं। इस पर वरिष्ठ अधिवक्ता ने दलील दी कि यदि मोइत्रा पुलिस स्टेशन में व्यक्तिगत रूप से पेश होती हैं तो उन्हें भीड़ के हमले की आशंका है।

बंद और नाकेबंदी से मणिपुर और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित - सीएम खेमचंद सिंह

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने शुक्रवार को कहा कि हाईवे पर चल रहे बंद, नाकेबंदी और दूसरे तरह के विरोध-प्रदर्शनों ने राज्य और देश, दोनों की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर डाला है। उन्होंने सामान और लोगों की आवाजाही बिना किसी रुकावट के जारी रखने की जरूरत पर जोर दिया। मणिपुर की डेमोग्राफिक प्रोफाइल (जनसांख्यिकीय स्थिति) पर दो दिन की सलाह-मशविरा बैठक और सेमिनार का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे विरोध-प्रदर्शनों से दिहाड़ी मजदूरों को सबसे ज्यादा नुकसान होता है। लोगों को संबोधित करते हुए खेमचंद सिंह ने कहा कि चल रही नाकेबंदी से उन ट्रक ड्राइवरों को भी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है जो राज्य में जरूरी सामान पहुंचाते समय नेशनल हाईवे पर फंसे हुए हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार आम जनता के फायदे वाले किसी भी कदम और कार्रवाई में मदद के लिए हमेशा तैयार है।

चर्चा के नतीजों पर भरोसा जताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें यकीन है कि विशेषज्ञों द्वारा अपनाए गए सुझाव और प्रस्ताव लोगों की भलाई के लिए होंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी सुझाव भारत के संविधान के नियमों के दायरे में होने चाहिए और लोगों से अपील की कि वे ऐसा कोई आंदोलन न करें जिससे नागरिकों की रोजमर्रा की जिंदगी में रुकावट आए। अपने भाषण में गृह मंत्री कोंथौजम गोविंदस सिंह ने कहा कि मणिपुर सरकार ने केंद्र सरकार को पहले ही बता दिया है कि वह राज्य में संवैधानिक और कानूनी ढांचे के तहत एनआरसी (नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन) की प्रक्रिया शुरू करने के लिए तैयार है।

उन्होंने लोगों को बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने देश में आबादी से जुड़े बदलावों का अध्ययन करने के लिए पहले ही एक हाई-लेवल कमिटी बना दी है। मंत्री ने आगे कहा कि भले ही राजनीतिक या वैचारिक मतभेद हों, लोगों को जनता के बड़े हित के लिए एक साथ आना चाहिए और राज्य के मूल निवासियों की समस्याओं को हल करने के लिए काम करना चाहिए। उद्घाटन समारोह में कमिश्नर (गृह) एन. अशोक कुमार, राज्य जनसंख्या कमिश्नर एम. मणिमोहन मेइतेई, मणिपुर राज्य जनसंख्या आयोग के सचिव डॉ. एम. वेटो सिंह, विभिन्न सिविल सोसाइटी संगठनों के नेता, समुदाय के नेता, महिला नेता, बुद्धिजीवी, शिक्षाविद और गृह विभाग के अधिकारी आदि शामिल हुए।

पूरी तरह निजी था शेख हसीना का कार्यक्रम, बांग्लादेश पर किसी भी टिप्पणी का समर्थन नहीं

नई दिल्ली। शेख हसीना की मीडिया से बातचीत पर विदेश मंत्रालय ने बताया कि इस खास बातचीत के बारे में उसके पास अभी कोई नई जानकारी नहीं है। यह कार्यक्रम निजी मीडिया संस्था की ओर से आयोजित था। भारत सरकार की उस कार्यक्रम में कोई भूमिका नहीं थी। वहीं पर हुई किसी भी बात का भारतीय सरकार समर्थन नहीं करती है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि हमने इस मुद्दे पर सरकार का रुख प्रेस कॉन्फ्रेंस शुरू होने से पहले ही स्पष्ट कर दिया था। जो लोग वहां मौजूद थे, उन्होंने वह टिप्पणियां देखी होंगी। मैं यहां एक बार फिर वही बात दोहरा रहा हूं। सरकार की उस कार्यक्रम में कोई भूमिका नहीं थी क्योंकि वह एक निजी मीडिया संस्था की ओर से आयोजित कार्यक्रम था। जैसा कि आप जानते हैं, बांग्लादेश के साथ हमारे आर्थिक और ऊर्जा के क्षेत्रों में संबंध चल रहे हैं।

13वीं ब्रिक्स शिक्षा मंत्रियों की बैठक- केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने दोहराई भारत की 'जन-केंद्रित और मानवता-प्रथम' नीति

भुवनेश्वर। केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने शुक्रवार को ब्रिक्स सहयोग के प्रति भारत की जन-केंद्रित और मानवता-प्रथम दृष्टिकोण के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई।

उन्होंने 13वीं ब्रिक्स शिक्षा मंत्रियों की बैठक की अध्यक्षता की, जो ओडिशा के भुवनेश्वर में 13वीं ब्रिक्स शिक्षा मंत्रियों की घोषणा को अपनाए जाने के साथ संपन्न हुई।

ब्रिक्स के सभी साझेदार देशों के साथ मिलकर कार्य करने की भारत की प्रतिबद्धता दोहराते हुए केंद्रीय मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि बैठक के दौरान उत्पन्न हुई गति सार्थक परिणामों में परिवर्तित होगी। वर्ष 2026 के लिए भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता की थीम, 'लचीलापन, नवाचार, सहयोग और सततता का निर्माण' का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा प्रणालियों को युवाओं को उभरते अवसरों के लिए तैयार करना चाहिए, साथ ही उन्हें मानवीय मूल्यों से भी दृढ़तापूर्वक जोड़े रखना चाहिए।

जोशी ने कहा कि शिक्षा समावेशी विकास और साझी समृद्धि की आधारशिला है तथा अंगीकृत घोषणा ब्रिक्स देशों की पांच प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में सहयोग को सुदृढ़ बनाने की सामूहिक प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करती है।

संपादकीय

राज्य की राजस्व प्राप्तियों में 11.69 प्रतिशत की वृद्धि -यूडीएच, पैट्रोलियम व पंजीयन-मुद्रांक विभागों का शानदार प्रदर्शन

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में शुक्रवार को प्रमुख राजस्व अर्जक विभागों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें वित्तीय वर्ष 2026-27 के जुलाई माह तक दर्ज की गई उपलब्धियों, सकारात्मक राजस्व वृद्धि तथा विभिन्न राजस्व अर्जक विभागों के प्रदर्शन की सराहना की गई। वित्तीय वर्ष के शुरुआती चार माह में लगभग 46 हजार करोड़ का राजस्व संग्रह— बैठक में प्रस्तुत रिपोर्ट में बताया गया कि राज्य की कुल राजस्व प्राप्तियों में गत वित्तीय वर्ष की समान अवधि (जुलाई 2025 तक) की तुलना में 11.69 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 45 हजार 958 करोड़ रुपये का संग्रह किया जा चुका है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के कुल बजट अनुमान का 24.05 प्रतिशत राजस्व शुरुआती चार महीनों में ही हासिल कर लिया गया है। बैठक के दौरान अप्रैल से जुलाई 2026 की अवधि में विभिन्न विभागों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की जानकारी दी गई, जिसके तहत शहरी विकास एवं आवासन विभाग ने 95.34 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज करते हुए राजस्व संग्रह में लगभग दोगुनी बढ़ोतरी की, पैट्रोलियम क्षेत्र में 34.03 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई तथा वार्षिक लक्ष्य का 41.18 प्रतिशत हासिल किया गया, पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग द्वारा डीएलसी दरों को सरलीकृत व तार्किक किया जाकर ऑनलाइन सेवाओं के एकीकरण से 28.89 प्रतिशत की वृद्धि हुई, खान विभाग में जिंक व लाइमस्टोन के अधिक उत्पादन तथा एलएमई कीमतों में वृद्धि से 17.93 प्रतिशत का लाभ मिला, श्रम (सेस) विभाग में संगठित व असंगठित निर्माण गतिविधियों से 17.70 प्रतिशत का सुधार दर्ज हुआ, परिवहन विभाग में ई-डिटेक्शन व सघन चेकिंग अभियानों से 13.58 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, वैट संग्रह में ईंधन एवं ऊर्जा क्षेत्र की मजबूत मांग से 13.40 प्रतिशत का लगातार सुधार दर्ज हुआ, जीएसटी संग्रह में व्यापारिक गतिविधियों में तेजी और प्रभावी निगरानी से 9.54 प्रतिशत की वृद्धि हुई, तथा आबकारी विभाग में केवल जुलाई माह में ही 18 प्रतिशत की मासिक वृद्धि सहित कुल 7.54 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। मुख्य सचिव ने मुख्यमंत्री द्वारा समय-समय पर दिए गए निर्देशों की अनुपालना रिपोर्ट की समीक्षा की गई तथा सभी निर्देशों का समयबद्ध और शत-प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। मुख्य सचिव ने बताया कि सघन प्रवर्तन कार्यवाहियाँ की जाकर कर चोरी

पकड़ी गई है। उन्होंने बताया कि अस्तित्वहीन फर्मों के विरुद्ध चलाए गए अभियान में 63 फर्में चिन्हित कर 259.71 करोड़ रुपये की फर्जी आईटीसी को समय रहते रोका गया। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि राजस्व से जुड़े सभी उच्च राशि वाले मामलों एवं अदालती वादों की निरंतर निगरानी की जाए। उन्होंने गुजरात, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक की रिस्क-बेस्ड ऑडिट, एआई-आधारित अपील समीक्षा और ई-वे बिल प्रेडिक्टिव एनालिसिस जैसी सर्वश्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को राजस्थान में लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व अर्जन से जुड़े सभी प्रमुख विभाग आईटीएमएस पोर्टल की तर्ज पर एक मजबूत, एकीकृत पोर्टल विकसित करें तथा डिस्कॉम, रेरा, आईजीआरएस आदि विभागों के डेटा के अंतर-विभागीय एकीकरण से राजस्व हानि को रोका जाए। मुख्य सचिव ने सभी विभागों द्वारा दिखाए गए उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए आगामी तिमाही हेतु निर्धारित राजस्व लक्ष्य को टीम भावना और तकनीक के समन्वय के साथ शत-प्रतिशत हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया। बैठक में वित्त विभाग व संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने समीक्षा बैठक में कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य केवल राजस्व संग्रह बढ़ाना नहीं, बल्कि कर प्रणाली को अधिक पारदर्शी, तकनीक आधारित और जनहितैषी बनाना भी है। मुख्य सचिव ने कर चोरी रोकने और राजस्व रिसाव पर अंकुश लगाने के लिए प्रवर्तन गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया।

180 लीटर अवैध स्प्रिट से भरा ड्रम जब्त, वाहन चालक फरार

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। बीकानेर रेल मंडल ने रेल मदद पोर्टल पर यात्री शिकायतों के त्वरित निस्तारण में उत्तर पश्चिम रेलवे में पहला स्थान हासिल किया है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में 1 अप्रैल से 31 जुलाई तक प्राप्त 8,893 शिकायतों का शत-प्रतिशत समाधान औसतन 13 मिनट में किया गया। मंडल वाणिज्य प्रबंधक वीरेन्द्र जोशी ने बताया कि यात्रियों की शिकायतों का समाधान 24×7 संचालित वार रूम के माध्यम से किया जाता है। इस दौरान वाणिज्य विभाग ने 2,817 शिकायतों का औसतन 4 मिनट में, रेलवे सुरक्षा बल ने 1,508 शिकायतों का 19 मिनट में, कैरिज एंड वैगन विभाग ने 1,868 शिकायतों का 15 मिनट में तथा इलेक्ट्रिक विभाग ने 1,728 शिकायतों का 22 मिनट में निस्तारण किया। रेल मदद पोर्टल के माध्यम से यात्रियों को यात्रा के दौरान चिकित्सा सहायता, बच्चों के लिए दूध सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। बीकानेर रेल मंडल की इस उपलब्धि को यात्री सेवाओं में सुधार और त्वरित शिकायत निस्तारण की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेल मदद पोर्टल को अधिक प्रभावी बनाया गया है।

पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-III के चयनित अभ्यर्थियों को मिली पहली नियुक्ति, स्कूलों में किया गया पदस्थापन

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर द्वारा आयोजित पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-III सीधी भर्ती-2024 के तहत गैर-अनुसूचित क्षेत्र के चयनित अभ्यर्थियों में से स्कूल शिक्षा विभाग को आवंटित अभ्यर्थियों का बीकानेर जिले में पदस्थापन आदेश जारी कर दिया गया है।

निदेशक माध्यमिक शिक्षा, राजस्थान, बीकानेर के 30 जुलाई 2026 के निर्देशों की अनुपालना में जिला आवंटित अभ्यर्थियों की 5 एवं 6 अगस्त 2026 को शाला दर्पण के SSP-MS पोर्टल पर ऑनलाइन काउंसलिंग करवाई गई। अभ्यर्थियों द्वारा दिए गए विकल्पों के आधार पर उन्हें जिले के विभिन्न राजकीय विद्यालयों में पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-III के रिक्त पदों पर पदस्थापित किया गया है। परिवीक्षा अवधि के दौरान उन्हें नियमानुसार 23,700 रुपये प्रतिमाह मानदेय अथवा राज्य सरकार के प्रचलित नियमों के अनुसार देय वेतन का लाभ मिलेगा।

अलवर के निशु हॉस्पिटल के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश -अस्पताल किया सील

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने शुक्रवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, मातृ मृत्यु के कारणों एवं संबंधित मामलों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही बरतने के मामले में सख्त एक्शन लेने के निर्देश दिए हैं। प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर विभाग द्वारा संवेदनशीलता के साथ विशेष गंभीरता बरती जा रही है। उन्होंने बताया कि अलवर के नंगला रायसिस स्थित निजी निशु हॉस्पिटल में अनाधिकृत व्यक्ति द्वारा प्रसूता की डिलीवरी कराने के मामले में सख्त एक्शन लिया गया है। इस मामले में उन्होंने निजी निशु हॉस्पिटल के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं।

क्लीनिकल इस्टेबिलिशमेंट एक्ट के प्रावधानों के अनुसार अनियमितिता पाए जाने पर लाईसेंस निरस्त करते हुए समस्त गतिविधियों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गयी है। साथ ही अस्पताल संचालक डॉ. भुवनेश कुमार शर्मा के खिलाफ मेडिकल कॉउंसिल तथा नर्सिंगकर्मी रफ़ीकन बानो के खिलाफ कार्रवाई के लिए नर्सिंग काउंसिल को पत्र लिख दिया गया है। गौरतलब है कि दिनांक 4 अगस्त को अनाधिकृत रूप से चिकित्सक की अनुपस्थिति में डिलेवरी नर्सिंग कार्मिक द्वारा डिलेवरी मामले में प्रसूता अंजुम (पिंकी) पत्नी श्री साहिल खान की मृत्यू हो गई थी। उन्होंने बताया कि इस तरह का मामला संज्ञान में आते ही सख्त एक्शन लिया गया है।

रतनगढ़-सरदारशहर रेलखंड पर अंडरब्रिज 8G 28 दिन रहेगा बंद

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। बीकानेर रेल मंडल के रतनगढ़-सरदारशहर रेलखंड पर स्थित अंडरब्रिज संख्या 8G (किमी 41/4-5, साजनसर-सरदारशहर मार्ग) का विस्तार कार्य किए जाने के कारण इसे वाहनों के आवागमन के लिए 22 अगस्त 2026 से लगातार 28 दिनों तक बंद रखा जाएगा। रेलवे प्रशासन द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, निर्माण कार्य के दौरान इस अंडरब्रिज से किसी भी प्रकार के वाहन का आवागमन संभव नहीं होगा। आमजन की सुविधा के लिए अंडरब्रिज संख्या 8F (किमी 40/2-3, साजनसर-उदासर मार्ग) तथा रेलवे फाटक संख्या 22A (किमी 44/1-2, सरदारशहर) सहित अन्य उपलब्ध वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की सलाह दी गई है। रेलवे प्रशासन ने वाहन चालकों एवं आमजन से अपील की है कि निर्माण अवधि के दौरान रेलवे और जिला प्रशासन द्वारा लगाए गए संकेतकों एवं यातायात संबंधी निर्देशों का पालन करें, ताकि आवागमन सुरक्षित और सुचारु बना रहे।

सीईओ शैलजा पांडे ने श्री मुरली मनोहर गौशाला का किया निरीक्षण

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी शैलजा पांडे ने शुक्रवार को भीनासर स्थित श्री मुरली मनोहर गौशाला का निरीक्षण कर पशुओं के स्वास्थ्य, चारा-पानी, चिकित्सा एवं साफ-सफाई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण में पशुओं का स्वास्थ्य, चिकित्सा व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल और रिकॉर्ड संधारण संतोषजनक पाया गया। उन्होंने गौशाला प्रबंधन को बीमार एवं कमजोर पशुओं की नियमित स्वास्थ्य जांच, समय पर उपचार तथा चारा-पानी और स्वच्छता की व्यवस्था निरंतर बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. विरमाराम एवं गौशाला प्रतिनिधि मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी शैलजा पांडे ने गौशाला परिसर की विभिन्न व्यवस्थाओं का विस्तृत अवलोकन किया। उन्होंने पशुओं के रखरखाव, आवास, चारा भंडारण, स्वच्छ पेयजल उपलब्धता तथा चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि गौशालाओं में पशुओं की देखभाल सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरती जानी चाहिए। शैलजा पांडे ने गौशाला प्रबंधन को निर्देश दिए कि बीमार, वृद्ध और कमजोर पशुओं की विशेष निगरानी रखी जाए तथा पशु चिकित्सकों द्वारा नियमित स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि समय पर उपचार, संतुलित आहार और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने से पशुओं का स्वास्थ्य बेहतर बना रहेगा। साथ ही पशुओं के टीकाकरण एवं अन्य आवश्यक चिकित्सकीय प्रक्रियाओं का रिकॉर्ड भी व्यवस्थित रूप से संधारित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई व्यवस्था, गोबर एवं अपशिष्ट प्रबंधन तथा गौशाला परिसर की स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान दिया गया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि स्वच्छ वातावरण पशुओं को संक्रमण और बीमारियों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने गौशाला परिसर में नियमित सफाई और स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश दिए।

बार काउंसिल ऑफ राजस्थान चुनाव : रणजीत जोशी की लगातार तीसरी ऐतिहासिक जीत

एजेंसी, थिंक राजस्थान

जोधपुर। बार काउंसिल ऑफ राजस्थान के चुनाव में वरिष्ठ अधिवक्ता और राजस्थान एडवोकेट एसोसिएशन जोधपुर के अध्यक्ष रणजीत जोशी ने एक बार फिर अपना परचम लहराया है।

उन्होंने चुनावी 'रण' में बाजी मारते हुए बार काउंसिल ऑफ राजस्थान के चुनाव में लगातार तीसरी बार शानदार जीत हासिल की है। रणजीत जोशी की इस जीत के साथ ही बार काउंसिल ऑफ राजस्थान में न्यायिक राजधानी जोधपुर का प्रतिनिधित्व शुरू (खाता घोषित) हो गया हैः

जोधपुर के पहले सदस्यः चुनाव में अब तक कुल 8 सदस्य निर्वाचित हो चुके हैं, जिनमें जोधपुर से जीत दर्ज करने वाले रणजीत जोशी पहले सदस्य बने हैं। अधिवक्ताओं की जीतः अपनी इस ऐतिहासिक जीत के बाद रणजीत जोशी ने इसे स्वयं की नहीं, बल्कि संपूर्ण प्रदेश के अधिवक्ताओं के विश्वास और उनके संघर्षों की जीत बताया।

एक शिक्षक-एक बच्चा, विद्यालय में भविष्य अच्छा कि थीम पर राजस्थान शिक्षा सेतु अभियान पर विशेष जोर

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। कोई भी बच्चा स्कूल जाने से वंचित नहीं रहें,इसे ले कर राज्य सरकार गंभीर है और शिक्षा विभाग के अलावा जिला कलेक्टर्स को इसे गंभीरता से लेने के निर्देश दिए हैं। शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश यादव ने इस बाबत गंभीर दिशा निर्देश जारी किए हैं। प्रवेशोत्सव की निर्धारित अवधि समाप्त होने के बाद भी जो बच्चे आर्थिक, सामाजिक या अन्य कारणों से विद्यालय से बाहर हैं, उन्हें आरटीई के प्रावधानों के तहत विद्यालयों में प्रवेश दिलाकर नियमित अध्ययन से जोड़ने के लिए यह अभियान संचालित किया जा रहा है। निर्देशानुसार अभियान की थीम 'एक शिक्षक-एक बच्चा, विद्यालय में भविष्य अच्छा' रखी गई है। अभियान दो चरणों में चलेगा। प्रथम चरण 26 जुलाई से 15 अगस्त 2026 तथा द्वितीय चरण 16 अगस्त से 30 सितंबर 2026 तक संचालित होगा। अभियान के दौरान विशेष रूप से बालिकाओं, विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (दिव्यांग), बाल श्रमिकों, प्रवासी, आदिवासी एवं खानाबदोश समुदायों के बच्चों को विद्यालय से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। निर्देशों में कहा गया है ओ अभियान की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी प्रत्येक पखवाड़े समीक्षा करेंगे। वहीं जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारंभिक एवं माध्यमिक) जिले की प्रगति पर सतत निगरानी रखेंगे। जिला कलेक्टर द्वारा भी समय-समय पर अभियान की समीक्षा की जाएगी। इसके तहत नियमित नामांकन की ट्रैकिंग, प्रत्येक सप्ताह विद्यालय स्तर पर समीक्षा, प्रत्येक दो सप्ताह में ब्लॉक स्तर पर समीक्षा तथा प्रत्येक माह जिला स्तरीय समीक्षा सुनिश्चित की जाएगी। राज्य सरकार ने जिला कलेक्टरों से अपेक्षा की है कि वे उपखंड अधिकारियों, ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों एवं पंचायती राज प्रतिनिधियों को आवश्यक निर्देश देकर जिले में विद्यालय से बाहर रह गए बच्चों का शत-प्रतिशत नामांकन एवं ठहराव सुनिश्चित करें, ताकि इस राज्यव्यापी जन-अभियान को सफल बनाया जा सके। राज्य सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रदेश का कोई भी बच्चा शिक्षा के अधिकार (आरटीई) से वंचित न रहे। इसी उद्देश्य से शिक्षा विभाग ने सभी जिला कलेक्टरों, शिक्षा अधिकारियों और संबंधित विभागों को समन्वित रूप से कार्य करने के निर्देश दिए हैं। अभियान के तहत विद्यालय से बाहर रह गए बच्चों की पहचान कर उन्हें नियमित रूप से स्कूलों में प्रवेश दिलाने और उनकी पढ़ाई निरंतर जारी रखने पर विशेष जोर दिया जाएगा। अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश यादव ने निर्देश दिए हैं कि अभियान को केवल नामांकन तक सीमित न रखते हुए बच्चों के ठहराव (Retention) पर भी विशेष ध्यान दिया जाए।

144 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) के साथ तस्कर गिरफ्तार, 29 लाख रुपये का मादक पदार्थ बरामद

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सरदारशहर। चूरू जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सरदारशहर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक कार से 144 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद कर एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। बरामद मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत करीब 29 लाख रुपये बताई जा रही है। जिला पुलिस अधीक्षक निश्चय प्रसाद एम. (आईपीएस) के निर्देश पर अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कुलदीप वालिया (आरपीएस)के निर्देशन एवं थाना प्रभारी धीरेन्द्र सिंह शेखावत के नेतृत्व में पुलिस टीम मेघा हाईवे रोड पर सरदारशहर से पल्लू मार्ग स्थित एचपी पेट्रोल पंप के पास नाकाबंदी कर रही थी। पुलिस ने मादक पदार्थ एवं कार को जब्त कर चालक असलम पुत्र दिलशाद खां, उम्र 23 वर्ष, निवासी वार्ड संख्या 9, रावतसर (जिला हनुमानगढ़) को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 एवं 25 के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की आगे की जांच मंगूराम, थाना प्रभारी भानीपुरा द्वारा की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी मादक पदार्थ कहां से लेकर आया था और इसे किस स्थान पर सप्लाई किया जाना था। इस कार्रवाई में उप निरीक्षक ओमप्रकाश यादव, कांस्टेबल अनिल सैनी, शिवकुमार, अनिल कुमार शर्मा तथा जिला स्पेशल टीम, चूरू के कांस्टेबल नवीन कुमार की विशेष भूमिका रही। इसके अलावा बरामद कार के स्वामित्व, उसके उपयोग तथा आरोपी के पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड की भी गहन जांच की जा रही है।

ऐतिहासिक महादेवाली मंदिर में प्रथम बार शिव महापुराण का भव्य शुभारंभ 10 से, सैकड़ों महिलाओं की कलश यात्रा व भव्य झांकियां होगी आकर्षण

एजेंसी, थिंक राजस्थान

टोंक। श्री मन्दिर श्री महादेव जी विकास समिति महादेवाली टॉक के तत्वावधान में सर्वाधिक प्राचीन ऐतिहासिक चमत्कारिक स्वयंसिद्ध पीठ शिवालय श्री महादेवाली मंदिर में सावन मास में पहली बार शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ कथा का शुभारंभ 10 अगस्त से भव्य लवाजमें व सैकडो महिलाओं की कलश यात्रा एवं शोभायात्रा के साथ होगा। जिसकी सभी तैयारियों को अन्तिम रूप दिया जा चुका है और पूरे शहर को होर्डिंग्स व निमंत्रण पत्र देकर सभी श्रद्धालुओ से कार्यक्रम में भाग लेकर शोभायात्रा एवं कथा को टोंक शहर के ऐतिहासिक कार्यक्रम बनाने का आव्हान किया जा रहा है। समिति के अध्यक्ष दिनेश चौरासियां ने बताया कि टॉक शहर के प्राचीन ऐतिहासिक शिवालय महादेवजी मन्दिर महादेवाली टोंक में श्री मन्दिर श्री महादेव जी विकास समिति टोंक की ओर से 10.8.2026 से 20.8.2026 तक श्री शिव महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जाएगा और कलश यात्रा एवं शोभायात्रा दिनांक 10 अगस्त 2026 को प्रातः 7:00 बजे भूतेश्वर महादेव मन्दिर सवाई माधोपुर चौराहा टोंक से रवाना होकर बड़ा कुआँ मुख्य बाजार होते हुए, सुभाष बाजार, घण्टाघर से पटेल सर्किल, सिविल लाइन, बरखड़ा बाबा , मोदी की चौकी होते हुए मार्ग से महादेवाली मन्दिर टोंक में पहुँचेगी। शोभायात्रा में सोनू ढोल ताशा नासिक, शिवम बैंड, निम्बेडा बैंड सहित अन्य बैंड पांच झांकियां, 2 उंट, 4 घोडे, श्रीराम डीजे, संतो के लिए एक केन्टर, 5 बग्गियां, संतो सहित महिला पुरूष शामिल होंगे और सैकडो महिलाएं कलश लेकर साथ चलेगी। शिव पुराण कथा के कथा वाचक श्री पुरुषोत्तम शरण दास जी महाराज वृंदावन वाले होंगे। कथा का समय दोपहर 1 से 5 बजे तक रहेगा। 10 अगस्त को शोभायात्रा के बाद श्री श्याम अखंड ज्योति पाठ का आयोजन होगा। समिति के महामंत्री अभिषेक कुमार शर्मा ने बताया कि समिति के सरंक्षक पं. प्रहलाद दास शर्मा, अध्यक्ष दिनेश कुमार चौरासिया के नेतृत्व व आचार्य पं. मोहन लाल दाधीच, प. गिर्राज महाराज, सह आचार्य पं लोकेश शर्मा, भुवनेश शर्मा के सानिध्य में आयोजन होगा। कथा के प्रधान यजमान सुमन ओमप्रकाश शर्मा शिवाजी नगर कम्पू वाले, श्रीमहामृत्युंजय अनुष्ठान सवालक्ष जाप के मुख्य यजमान ओमप्रकाश साहू, श्रीराम चरित मानस के मुख्य यजमान रामबाबू गोयल, नित्य सुंदरकांड के यजमान जगदीश सैनी होंगे। श्री शिव महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ कथा के भव्य आयोजन को लेकर जिला व पुलिस प्रशासन से कानून व्यवस्था, चिकित्सा आदि व्यवस्थाएं के सहयोग करने का आग्रह किया गया हैं। कलश व शोभायात्रा को लेकर टॉक शहर के नागरिकों में काफी उत्साह नजर आ रहा है और इस उत्साह को देखते हुए कार्यकम बहुत भव्य होने जा रहा हैं।

राजस्थान/ प्रादेशिक

सीकर को बड़ी सौगात : प्रिंस मेडिकल कॉलेज में 150 एमबीबीएस सीटों को मिली मंजूरी, अब शेखावाटी में ही होगी मेडिकल की पढ़ाई

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सीकर। शेखावाटी क्षेत्र के लिए चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि सामने आई है। जयपुर रोड स्थित प्रिंस मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल को नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) एवं भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 से एमबीबीएस पाठ्यक्रम की 150 सीटों की स्वीकृति प्रदान कर दी है। इसके साथ ही अब क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्चस्तरीय मेडिकल शिक्षा के लिए बड़े शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। कॉलेज प्रबंधन के अनुसार, एमबीबीएस विद्यार्थियों को अध्ययन के साथ-साथ 700 बेड वाले एडवांस्ड सुपर स्पेशलिटी एवं मल्टी स्पेशलिटी प्रिंस हॉस्पिटल में क्लीनिकल प्रशिक्षण का अवसर मिलेगा। आधुनिक प्रयोगशालाओं, अत्याधुनिक शिक्षण संसाधनों, अनुभवी फैकल्टी और उन्नत चिकित्सा सुविधाओं के बीच विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मेडिकल शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। प्रिंस मेडिकल कॉलेज को मिली इस स्वीकृति से न केवल चिकित्सा शिक्षा को नई पहचान मिलेगी, बल्कि शेखावाटी क्षेत्र में विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ने के साथ स्वास्थ्य सेवाओं को भी मजबूती मिलेगी। इससे स्थानीय मरीजों को बेहतर उपचार और भविष्य में अधिक विशेषज्ञ चिकित्सकों का लाभ मिलने की उम्मीद है। प्रिंस ग्रुप के चेयरमैन डॉ. पीयूष सुण्डा ने कहा कि यह स्वीकृति शेखावाटी के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। मेडिकल कॉलेज क्षेत्र में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और पात्र अभ्यर्थी निर्धारित प्रक्रिया के तहत प्रवेश ले सकते हैं। शेखावाटी क्षेत्र के लिए यह स्वीकृति चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) एवं भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय से 150 एमबीबीएस सीटों की मंजूरी मिलने के बाद अब क्षेत्र के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मेडिकल शिक्षा के लिए अन्य राज्यों या बड़े शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। इससे स्थानीय स्तर पर मेडिकल शिक्षा के नए अवसर उपलब्ध होंगे और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को अपने ही क्षेत्र में बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। 700 बेड वाले एडवांस्ड सुपर स्पेशलिटी एवं मल्टी स्पेशलिटी प्रिंस हॉस्पिटल में विद्यार्थियों को विभिन्न विभागों में प्रशिक्षण मिलेगा।

विश्व स्तनपान सप्ताह : स्तनपान स्वस्थ, सशक्त और समृद्ध भविष्य की आधारशिला

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने कहा कि नवजात शिशु को स्वस्थ, सुरक्षित और सशक्त जीवन की सर्वोत्तम शुरुआत देने के लिए स्तनपान सबसे प्रभावी और प्राकृतिक माध्यम है। इस वर्ष विश्व स्तनपान सप्ताह की थीम "जीवन की सशक्त और स्वस्थ शुरुआत के लिए स्तनपान : कारगर उपायों को सुदृढ़ बनाना" रखी गई है।इसी संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से विश्व स्तनपान सप्ताह–2026 के अवसर पर चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, राजस्थान सरकार ने यूनिसेफ तथा प्रदेश की प्रमुख चिकित्सा संस्थाओं के साथ मिलकर स्तनपान संरक्षण, प्रोत्साहन और समर्थन के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता व्यक्त की है। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की उपस्थिति में शुक्रवार को शासन सचिवालय में यूनीसेफ़ और अन्य प्रमुख चिकित्सा संस्थानों के साथ बैठक आयोजित की गई। स्तनपान को बढ़ावा देने हेतु सरकार, यूनिसेफ और संस्थाओं की साझा पहल।

पन्नाधाय के इतिहास में कथित तथ्यात्मक त्रुटि पर गुर्जर समाज का ज्ञापन, प्रधानमंत्री के नाम संशोधन की मांग

एजेंसी, थिंक राजस्थान

भीलवाड़ा। समस्त गुर्जर समाज, जिला भीलवाड़ा ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रकाशित पुस्तक "भारत के नारी रत्न" में मेवाड़ की वीरांगना पन्नाधाय के इतिहास एवं जातीय पहचान से संबंधित कथित तथ्यात्मक त्रुटियों को लेकर जिला कलेक्टर के माध्यम से प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में पुस्तक के तथ्यों की उच्चस्तरीय जांच, त्रुटियों के संशोधन तथा संशोधित संस्करण प्रकाशित करने की मांग की गई। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि वर्ष 2022 (आठवें पुनर्मुद्रण) में प्रकाशित पुस्तक के पृष्ठ संख्या 8 पर पन्नाधाय को "खीची राजपूत वंश की क्षत्राणी" बताया गया है, जबकि गुर्जर समाज का दावा है कि विभिन्न ऐतिहासिक स्त्रोतों एवं राजस्थान सरकार के अभिलेखों में उनकी जातीय पहचान गुर्जर के रूप में दर्ज है।

समाज का कहना है कि यह विवरण ऐतिहासिक तथ्यों के विपरीत है और इससे समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। राजस्थान सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं राजस्थान गुर्जर महासभा के प्रदेशाध्यक्ष कालूलाल गुर्जर ने कहा कि पन्नाधाय पूरे राष्ट्र की प्रेरणास्त्रोत हैं।

वर्षा प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित राहत एवं जनसुरक्षा के लिए प्रभावी प्रबंधन करें

एजेंसी, थिंक राजस्थान

डीग। जिला कलेक्टर मयंक मनीष ने शुक्रवार को उपखंड पहाड़ी का औचक निरीक्षण कर वर्षा के कारण जलभराव वाले क्षेत्रों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को जल निकासी, राहत एवं सुरक्षा व्यवस्थाएं प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा आमजन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पहाड़ी कस्बे में थाने के पास, हॉस्पिटल रोड सहित विभिन्न जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का मुआयना किया तथा मौके पर ही अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने जल निकासी की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान उपखंड अधिकारी जोगेन्द्र कुमार, तहसीलदार धर्म सिंह, विकास अधिकारी पहाड़ी सहित सिंचाई, सार्वजनिक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

महिलाओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की जरूरतः सीताराम गुप्ता

एजेंसी, थिंक राजस्थान

भरतपुर। समृद्ध मातृत्व अभियान द्वारा प्रजनन, स्वास्थ्य एवं मातृ गरिमा पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन हुआ।

जिसमें देश के सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों के पदाधिकारी, केंद्रीय मंत्री, जनप्रतिनिधि, स्वयंसेवी संगठनों के सदस्य मौजूद थे।

सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में समृद्ध भारत अभियान के निदेशक सीताराम गुप्ता सहभागी रहे। सेमिनार का शुभारंभ कोल्हापुर (महाराष्ट्र) स्थित कनेरी मठ के संत काड़सिद्धेश्वर ने किया।

अध्यक्षता केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने की जबकि कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सोडरामय्या, पूर्व केन्द्रीय मंत्री संजय पासवान, समृद्ध भारत अभियान के निदेशक सीताराम गुप्ता, पश्चिम बंगाल के लोकसभा सदस्य डॉ. जयंत कुमार रॉय, बक्सर के सांसद सुधाकर सिंह, स्पेशल ओलम्पिक भारत के अध्यक्ष मल्लिका नदेदा, राज्यसभा सदस्य धनंजय महाडिक, पूर्व सांसद प्रदीप गांधी, गाँधी सेवा संस्थान के अध्यक्ष बसंत कुमार, समृद्ध विशिष्ठ अतिथि रहे।

उपभोक्ता मामलों के मंत्री सुमित गोदारा के निर्देश पर प्रदेश भर में पैक्ड वस्तुओं के पैकर्स पर विशेष अभियान

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। उपभोक्ता मामलों के मंत्री सुमित गोदारा के निर्देशानुसार विधिक माप विज्ञान (लीगल मेट्रोलॉजी) विभाग द्वारा दो दिन राज्य भर में पैक्ड वस्तुओं (Packaged Commodities) के पैकर्स के विरुद्ध विशेष जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान 62 निरीक्षण किए गए, जिनमें 44 फर्मों के विरुद्ध विभिन्न अनियमितताओं के संबंध में कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान 24 फर्में बिना अनिवार्य पैकर पंजीकरण (Packer Registration) के पैकिंग कार्य करती हुई पाई गईं। वहीं 32 फर्मों के विरुद्ध सत्यापित (Verified) बाट-माप का उपयोग नहीं करने अथवा वैध सत्यापन प्रमाण-पत्र (Verification Certificate) उपलब्ध नहीं होने के कारण विधिक कार्रवाई की गई। इसके अतिरिक्त 9 फर्मों को लीगल मेट्रोलॉजी (पैकेज्ड कमोडिटीज) नियम, 2011 के अनुरूप अनिवार्य घोषणाएं (Declarations) अंकित नहीं करने पर सुधार सूचना (Improvement Notice) जारी की गई। अभियान के दौरान अजमेर की एक तथा अलवर की दो फर्में घोषित मात्रा से कम उत्पाद पैक करती हुई पाई गईं। विभाग ने सभी पैकर्स, निर्माताओं एवं विक्रेताओं से नियमों का पूर्णतः पालन करने तथा पैकेज्ड वस्तुओं पर निर्धारित घोषणाएं एवं सही मात्रा सुनिश्चित करने की अपील की है।

राजस्थान राजस्व मंत्रालयिक कर्मचारी महासंघ ने मुख्य सचिव के नाम सौंपा ज्ञापन, 10 अगस्त से काली पट्टी बांध जताएंगे विरोध

एजेंसी, थिंक राजस्थान

डीग। राजस्थान राजस्व मंत्रालयिक कर्मचारी महासंघ के प्रांतीय आह्वान पर जिला अध्यक्ष पुष्पेन्द्र कुमार भारद्वाज के नेतृत्व में डीग जिला इकाई द्वारा राजस्व मंत्रालयिक कर्मचारियों की लंबित 13 सूत्रीय मांगों के त्वरित निस्तारण हेतु राज्य के मुख्य सचिव के नाम एक ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा गया। जिला कलेक्टर की अनुपस्थिति में संघ के प्रतिनिधिमंडल द्वारा यह ज्ञापन उपखंड अधिकारी डीग अमित कुमार मीना को सुपुर्द किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि पूर्व में 4 अप्रैल 2025 को जयपुर में आयोजित प्रदेश स्तरीय रैली एवं 8 अप्रैल 2025 को प्रमुख शासन सचिव (राजस्व) के साथ हुई उच्च स्तरीय वार्ता में महासंघ की विभिन्न मांगों पर सहमति बनी थी, लेकिन लंबे समय बीत जाने के बाद भी सहमति पत्रों की ठोस क्रियान्विति नहीं हो सकी है। ज्ञापन में उपखंड कार्यालयों में पटवार मंडलों के अनुपात में नए पदों के सृजन, नवगठित जिलों में कैडर रिव्यू के तहत स्वीकृत पदों को डीपीसी आयोजित कर भरने, जिला कलक्टर कार्यालयों को मिनी सचिवालय का दर्जा देकर प्रशासनिक कार्यालयों के समान पदनाम व वेतन भत्ते देने, तहसीलदार पदोन्नति हेतु ऑप्शन नियम बनाने, तथा जिला मैनुअल में संशोधन कर पद अनुसार कार्य विभाजन परिपत्र जारी करने की प्रमुख मांगें शामिल हैं। इसके अतिरिक्त कार्मिकों को डीपीसी वर्ष 2026-27 में अनुभव में एक बारीय छूट, राजस्व मण्डल द्वारा फील्ड व भू-प्रबंध प्रशिक्षण, कार्यस्थलों पर कंप्यूटर, प्रिंटर, स्कैनर व उपयुक्त फर्नीचर जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की भी पुरजोर मांग की गई है।

महासंघ ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश स्तरीय निर्णय के अनुसार मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई न होने की स्थिति में चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया जा रहा है। इसके प्रथम चरण में 10 अगस्त से 13 अगस्त 2026 तक प्रदेश भर के समस्त राजस्व मंत्रालयिक कर्मचारी अपने-अपने कार्यालयों में काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज करवाएंगे। यदि इसके बावजूद राज्य सरकार द्वारा सकारात्मक रुख नहीं अपनाया जाता है, तो महासंघ बाध्य होकर आगामी उग्र आंदोलन की घोषणा करेगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

स्वरोजगार के लिए लगाया हथकरघा, अब डेढ़-सौ को रोजगार दिया

एजेंसी, थिंक राजस्थान

टोंक। आज राष्ट्रीय हथकरघा दिवस है, इसकी सार्थकता टोंक जिले आवां कस्बे के रहने वाले आशीष जैन ने दस साल की कड़ी मेहनत के बाद कर दिखाया है।

दस साल पहले आचार्य स्वर्गीय विद्यासागर जी महाराज, मुनि सुधा सागर जी महाराज की प्रेरणा से स्व रोजगार के लिए संचालित किए इस हथकरघा ने आज बहुत ऊंचाइयां छू ली है। स्वयं तो रोजगार पा रहे है, साथ ही साथ टोंक समेत बारां, अजमेर, झालावाड आदि जिलों में डेढ़ सो लोगों को रोजगार दे रहा हैं।

इनमें सौ तो महिलाएं शामिल है।

इस हथकरघे में बनाए गए टावल,साड़ी,बेडशीट की बहुत ही डिमांड रहती हैं। रेमेंड्स, रिलाइस जैसी कंपनियाँ इस आवां के हथकरघा के खादी के वस्त्र खरीद रही है। इस समिति से जुड़े आशीष जैन समेत कई बुनकर जिला और राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित हो चुके है।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में अड़मालसर की लाडली द्रोपती ख्यालिया ने लगातार दूसरी बार लहराया परचम

जयपुर, थिंक राजस्थान

सरदारशहर। सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के आयोजन करता दाताराम भाम्भू ने बताया कि पूजा चौधरी को विशेष सम्मान के रूप में 7100 नगद से सम्मानित किया जाएगा तथा द्रोपती ख्यालिया के लिए विशेष सम्मान की घोषणा की जाएगी। स्कूल स्तर में (प्रथम स्थान पर द्रोपती ख्यालिया अड़मालसर, पूजा गोदारा जीवनदेसर,अल्पना सारण उड़सर लोडेरां, आईना राठौड़ जीवनदेसर, पूजा कस्वाँ कामासर) (द्वितीय स्थान पर मोनिका ख्यालिया अड़मालसर, वसुंधरा जीवनदेसर, आरती सारण जीवनदेसर, पूजा सारण उड़सर लोडेरां) (तृतीय स्थान पर मनीषा ख्यालिया अड़मालसर, माया जाखड़ कल्याणपुरा पुरोहितान, मोनिका कंवर भोलूसर, दिशा सैन भींवसर) (चौथे स्थान पर आराधना चौहान सरदारशहर, कविता सारण कामासर, कान्ता ढ़ाणी दूदगिर) (पांचवें स्थान पर कृष्णा रणवां भींवसर, चन्द्रमुखी भूकर अड़मालसर, खुशी कंवर कल्याणपुरा बिदावतान), कॉलेज स्तर में (प्रथम स्थान पर सुलोचना ख्यालिया अड़मालसर, हर्षिता लखानी जैतसीसर, संतोष सिकराली, रोशनी झोरड़ आसासर) (द्वितीय स्थान पर सुमन सारण भींवसर, बबीता बराला भोलूसर, मनीषा सारण राजास, पूजा फगेड़िया भादासर उतरादा) (तृतीय स्थान पर सुमन बाना करणसर, निर्मला रुहिल देवासर, मोनिका सिंवर रातूसर, भारती ढाणी पांचेरां) (चौथे स्थान पर कौशल्या कुड़ी अड़मालसर, मैंना रुहिल देवासर) (पांचवें स्थान पर अंकिता डूडी अड़मालसर, सरिता प्रजापत ढाणी पांचेरा, भगवती मेहरासर चाचेरां, रीना कंवर भींचरी इन सभी प्रतिभाओं को अलग-अलग पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर आयोजन समिति ने स्पष्ट किया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य केवल प्रतिभाओं का चयन करना नहीं, बल्कि ग्रामीण अंचल की छात्राओं में सामान्य ज्ञान, तर्कशक्ति, आत्मविश्वास तथा स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास करना है। समिति का मानना है कि ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन के लिए प्रेरित करती हैं और उन्हें भविष्य की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी मानसिक रूप से तैयार करती हैं।

प्लास्टिक कचरा मुक्त अभियान में उत्कृष्ट कार्य पर सवाई माधोपुर को राज्य स्तर पर द्वितीय स्थान

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत आयोजित 'प्लास्टिक कचरा मुक्त अभियान-2026' में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सवाई माधोपुर जिले ने राज्य स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि पर पंचायती राज विभाग की राज्य स्तरीय कार्यशाला में पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव बुडानिया को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। जिले में 16 से 28 फरवरी, 2026 तक आयोजित हुए प्लास्टिक कचरा मुक्त अभियान के दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव बुडानिया के निर्देशन में ग्रामीण क्षेत्रों को प्लास्टिक कचरे से मुक्त करने के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया गया। इसके तहत ग्राम स्तर पर स्वच्छता एवं प्लास्टिक कचरा प्रबंधन से संबंधित विभिन्न गतिविधियों के साथ आमजन को जागरूक करने के लिए व्यापक प्रयास किए गए।

अभियान के दौरान आयोजित गतिविधियों को सोशल मीडिया के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रचारित करते हुए प्लास्टिक कचरे के दुष्प्रभावों तथा स्वच्छता के प्रति व्यापक जनजागरूकता का संदेश प्रसारित किया गया। सोशल मीडिया पर सर्वाधिक पोस्ट एवं टैग करने में राज्य में द्वितीय स्थान प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर सवाई माधोपुर जिले को यह सम्मान प्रदान किया गया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव बुडानिया ने इस उपलब्धि को सामूहिक प्रयास एवं टीम वर्क का परिणाम बताते हुए कहा कि यह सम्मान अभियान से जुड़े अधिकारियों, कर्मचारियों, ग्राम पंचायतों एवं स्वच्छता कार्मिकों के समन्वित प्रयासों का प्रतिफल है।

उन्होंने कहा कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के प्रति जनभागीदारी बढ़ाने तथा प्लास्टिक कचरा मुक्त वातावरण के निर्माण के लिए प्रयास निरंतर जारी रहेंगे। साथ ही ग्रामीणों को एकल-उपयोग (सिंगल यूज) प्लास्टिक के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए इसके उपयोग को कम करने के लिए प्रेरित किया गया।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत आयोजित 'प्लास्टिक कचरा मुक्त अभियान-2026' में सवाई माधोपुर जिले की इस उपलब्धि को ग्रामीण स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।

अभियान के दौरान जिले की सभी ग्राम पंचायतों में प्लास्टिक कचरे के संग्रहण, पृथक्करण और सुरक्षित निस्तारण के लिए विशेष गतिविधियां संचालित की गईं।

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर जेकेके में राज्य स्तरीय समारोह आयोजित

एजेंसी, थिंक राजस्थान

जयपुर। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय हथकरघा उत्पादों को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नई पहचान दिलाई है। प्रधानमंत्री स्वयं समय-समय पर देश के बुनकरों द्वारा तैयार किए गए वस्त्र धारण कर इस समृद्ध परंपरा और भारतीय संस्कृति को प्रोत्साहित करते हैं। कर्नल राठौड़ ने शुक्रवार को जवाहर कला केंद्र (जेकेके) में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हाथ से बने प्रत्येक वस्त्र की अपनी अलग पहचान होती है और उसके प्रत्येक रेशे के साथ एक प्रेरक कहानी जुड़ी होती है। यही कारण है कि आज विश्व के प्रतिष्ठित ब्रांड भी भारतीय बुनकरों के साथ जुड़ रहे हैं। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि वे अधिक से अधिक हथकरघा वस्त्र पहनें तथा उनके निर्माण की पूरी प्रक्रिया, धागे से लेकर बुनाई और सिलाई तक की कहानी, सोशल मीडिया पर शेयर करें। इससे हथकरघा उत्पादों के प्रति जनजागरूकता बढ़ेगी और स्थानीय बुनकरों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

मनोरंजन समाचार

दिग्गज एक्टर मिथुन चक्रवर्ती अस्पताल में भर्ती, सर्जरी के बाद मिलने पहुंचे CM शुभेंदु अधिकारी

हिंदी और बंगाली सिनेमा के दिग्गज अभिनेता और भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय समिति के वरिष्ठ सदस्य मिथुन चक्रवर्ती को हाल ही में कोलकाता के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक सर्जी के बाद उन्हें अस्पताल में देखरेख के लिए रखा गया है। इस बात की जानकारी पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ भाजपा नेता और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने दी, जिन्होंने अस्पताल जाकर अभिनेता के स्वास्थ्य का जायजा लिया और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। शुभेंदु ने मुलाकात की झलकियां भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की हैं। शुभेंदु अधिकारी ने मिथुन चक्रवर्ती से अस्पताल में मुलाकात की और अपने आधिकारिक फेसबुक अकाउंट पर इस मुलाकात की तस्वीरें साझा कीं। तस्वीरों में दिग्गज अभिनेता अस्पताल के बिस्तर पर विश्राम करते हुए नजर आ रहे हैं। अधिकारी ने उनके स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में जानकारी देते हुए सोशल मीडिया पर एक भावुक संदेश लिखा कि प्रख्यात अभिनेता और भाजपा के कर्मठ नेता मिथुन चक्रवर्ती शारीरिक

अस्वस्थता के कारण कोलकाता के अस्पताल में भर्ती हैं। उन्होंने अस्पताल जाकर उनसे बातचीत की और उनके स्वास्थ्य की ताजा जानकारी ली। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि मिथुन दा जल्द से जल्द पूरी तरह स्वस्थ होकर काम पर लौटें। मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए शुभेंदु अधिकारी ने खुलासा किया कि मिथुन चक्रवर्ती का गुरुवार रात एक छोटा सा ऑपरेशन हुआ था। उन्होंने यह भी बताया कि अभिनेता इस प्रक्रिया को पूरी तरह से व्यक्तिगत और प्रचार-प्रसार से दूर रखना चाहते थे। इसी वजह से उन्होंने केवल कुछ सीमित पार्टी नेताओं को ही इसकी पूर्व सूचना दी थी। अधिकारी के अनुसार, मिथुन चक्रवर्ती ने केवल राज्य अध्यक्ष, समिक भट्टाचार्य और उन्हें ही इस बारे में सूचित किया था। वह अपनी बीमारी का किसी भी प्रकार से प्रचार नहीं चाहते थे। डॉक्टरों से चर्चा के बाद अधिकारी ने पुष्टि की कि सर्जरी सफल रही है और उनकी स्थिति में तेजी से सुधार हो रहा है, जिसके बाद उन्हें जल्द ही अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी। अधिकारी ने मिथुन चक्रवर्ती के स्वास्थ्य का हाल साझा करते हुए उनके बहुआयामी व्यक्तित्व की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि मिथुन चक्रवर्ती का परिचय सिर्फ उनकी राजनीतिक पहचान तक सीमित नहीं है, बल्कि वह भारतीय कला और संस्कृति के एक बहुत बड़े स्तंभ हैं। पश्चिम बंगाल में राष्ट्रवादी विचारों के विस्तार और राजनीतिक बदलाव की दिशा में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। डॉक्टरों ने भी स्पष्ट किया है कि अभिनेता की स्थिति स्थिर है और चिंता की कोई बात नहीं है। काम के मोर्चे पर बात करें तो मिथुन चक्रवर्ती 70 के दशक के उत्तरार्ध से ही लगातार अभिनय की दुनिया में सक्रिय हैं और आज भी कई बड़ी परियोजनाओं का हिस्सा हैं। वर्ष 2025 में वे 'श्रीमान वर्सेस श्रीमती', 'द बंगाल फाइल्स' और 'प्रजापति 2' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय का जादू बिखेरते नजर आए थे। हाल ही में उनकी बेटी और उनके होने वाले विदेशी दामाद सगाई को लेकर सुर्खियों में आई थीं।

अनिल कपूर लेकर आ रहे हैं नया क्विज शो 'इंडिया के टॉप 1 पर्सेंट', बोले- यहां सोचने का तरीका बनेगा जीत की वजह

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता अनिल कपूर जल्द ही रियलिटी क्विज शो 'इंडिया के टॉप 1 पर्सेंट' को होस्ट करते नजर आएंगे। यह शो 5 सितंबर से शुरू होने जा रहा है। शो की घोषणा के साथ ही अनिल कपूर ने इसकी खासियतों के बारे में बताया कि यह दर्शकों के लिए एक नया अनुभव लेकर आएगा। अनिल कपूर ने कहा कि वह इस शो को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, ''मैं यह घोषणा करते हुए बहुत खुश हूं कि 'इंडिया के टॉप 1 पर्सेंट' का प्रीमियर 5 सितंबर को होने जा रहा है। इस शो का शानदार लॉन्च एक बेहद खास अनुभव रहा। इतने भव्य और शानदार माहौल में इस शो की शुरुआत की घोषणा करना मेरे लिए और भी यादगार पल बन गया है।'' उन्होंने बताया, ''यह शो दुनियाभर में लोकप्रिय रहे इंटरनेशनल फॉर्मेट 'द 1 पर्सेंट क्लब' का भारतीय रूप है। यह फॉर्मेट नीदरलैंड्स, जर्मनी, स्पेन, ग्रीस, ऑस्ट्रेलिया, इजरायल, तुर्की, यूक्रेन, मैक्सिको और अमेरिका जैसे कई देशों में दर्शकों का मनोरंजन कर चुका है। अब यह पहली बार भारतीय दर्शकों के सामने पेश किया जा रहा है।'' अनिल कपूर ने कहा, '''इंडिया के टॉप 1 पर्सेंट' आम क्विज शो की तरह नहीं होगा। यह शो इस बात पर निर्भर नहीं करता कि आपको कितनी चीजों की जानकारी है, बल्कि यह इस बात को सामने लाता है कि आप किस तरह सोचते हैं।

झारखंड छात्रों के समर्थन पर उतरी कुनिका सदानंद, कहा- छात्र सिर्फ अपने हक की बात कर रहे हैं

झारखंड की राजधानी रांची में जेपीएससी और जेएसएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित पेपर लीक, धांधली और अनियमितताओं को लेकर छात्रों का बड़ा आंदोलन चल रहा है। इसी बीच अभिनेत्री कुनिका सदानंद छात्रों के समर्थन में सामने आई हैं। कुनिका ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर सरकार से छात्रों की आवाज सुनने की अपील की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उन्होंने छात्रों की दिक्कतों को समझते हुए परीक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग की। साथ ही, यह भी बताया कि वे जल्द ही बच्चों के सपोर्ट के झारखंड जाएंगी। हालांकि, अभिनेत्री ने ये सुनिश्चित नहीं किया कि वे कब जाएंगी। अभिनेत्री ने लिखा, "झारखंड के स्टूडेंट्स सिर्फ अपने हक की बात कर रहे हैं। उनकी आवाज को सुना जाना चाहिए, दबाया नहीं जाना चाहिए। मैं उनसे मिलने आ रही हूं, उनका दर्द सुनने, उनके साथ खड़े होने और उनकी आवाज को और बुलंद करने। जब युवा बोलते हैं, तो हमारे देश का भविष्य बोलता है।" झारखंड छात्र प्रोटेस्ट के सपोर्ट में सोनाक्षी सिन्हा, इमरान खान जैसे कई सेलेब्स सपोर्ट में आए हैं। बता दें कि झारखंड में छात्रों द्वारा चलाए जा रहे प्रोटेस्ट में सीबीआई जांच, ओएमआर शीट सार्वजनिक करने और परीक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग रखी जा रही है। वहीं, छात्र नेता देवेंद्रनाथ महतो के नेतृत्व में हजारों छात्र रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में अनिश्चितकालीन धरने और भूख हड़ताल पर बैठे हैं। इसके लिए सरकार को ठोस कदम उठाने चाहिए।

नेहा धूपिया ने माता-पिता की 50वीं सालगिरह पर लुटाया प्यार, कहा- आपकी कहानी ही असली लव स्टोरी है

बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा धूपिया अपनी दमदार अदाकारी के साथ-साथ अपने पारिवारिक रिश्तों को लेकर भी अक्सर चर्चा में रहती हैं। वह अपने माता-पिता के बेहद करीब हैं और समय-समय पर उनके साथ जुड़ी खास यादें सोशल मीडिया पर साझा करती रहती हैं। अब एक बार फिर नेहा ने अपने माता-पिता के लिए खास पोस्ट साझा किया है, जिसने लोगों का ध्यान खींचा। दरअसल, नेहा ने अपने माता-पिता को उनकी शादी की 50वीं सालगिरह की बधाई दी और उनके लंबे साथ को प्यार और विश्वास की सबसे खूबसूरत मिसाल बताया। तस्वीरों के जरिए नेहा ने दिखाया कि कैसे उनके माता-पिता ने पांच दशकों का सफर एक-दूसरे के साथ प्यार और मजबूती से पूरा किया है।

नेशनल हैंडलूम डे पर विद्या बालन ने हथकरघा परंपरा को किया सलाम, कहा- 'हर साड़ी कहती है अपनी अनोखी कहानी'

भारतीय हथकरघा और पारंपरिक परिधानों की मजबूत समर्थक अभिनेत्री विद्या बालन ने 'नेशनल हैंडलूम डे' के अवसर पर देश की समृद्ध बुनाई परंपरा और कारीगरों के सम्मान में एक खास पोस्ट साझा किया। अपनी खूबसूरत साड़ियों के चयन और सार्वजनिक आयोजनों में भारतीय हैंडलूम को बढ़ावा देने के लिए जानी जाने वाली विद्या ने इस मौके पर इंस्टाग्राम पर वीडियो डाला, जिसमें उन्होंने हैंडलूम सिल्क साड़ियों की खूबसूरती, विरासत और उन्हें तैयार करने वाले बुनकरों की मेहनत को सलाम किया। विद्या बालन ने लोगों से भारतीय हथकरघा को अपनाने और स्थानीय कारीगरों का समर्थन करने की अपील करते हुए अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'हर हैंडलूम सिल्क साड़ी अपनी एक ऐसी कहानी कहती है, जिसे कोई मशीन कभी दोहरा नहीं सकती। इस नेशनल हैंडलूम डे पर आइए उन अद्भुत कारीगरों का सम्मान करें, जिनके हाथों ने भारत की कालजयी बुनाई परंपराओं को जीवित रखा है। जब भी आप शुद्ध रेशम खरीदें, तो हमेशा 'सिल्क मार्क' जरूर देखें क्योंकि यही असली और शुद्ध रेशम की पहचान है।' वीडियो में विद्या बालन ने हैंडलूम सिल्क साड़ियों की खासियत बताते हुए कहा, ''मुझे हैंडलूम सिल्क साड़ियों की सबसे खूबसूरत बात यह लगती है कि इसका हर धागा, हर मोटिफ और हर छोटी-सी बारीकी कलाकारों की मेहनत और पीढ़ियों से चली आ रही परंपरा को दर्शाती है। यही वजह है कि हर हैंडलूम सिल्क साड़ी अपने आप में अनोखी होती है।'' 'सिल्क मार्क' देखने की अपील के जरिए विद्या बालन ने लोगों को असली हैंडलूम सिल्क चुनने और भारतीय पारंपरिक शिल्प को बढ़ावा देने का संदेश भी दिया है। बता दें कि नेशनल हैंडलूम डे हर साल 7 अगस्त को मनाया जाता है। यह दिन भारत की समृद्ध हथकरघा परंपरा, बुनकरों की कला और उनके योगदान को सम्मान देने के लिए समर्पित है। भारत में हथकरघा केवल कपड़ा बनाने की एक तकनीक नहीं बल्कि यह हमारी संस्कृति, इतिहास और परंपराओं से जुड़ी एक जीवंत विरासत है। देश के अलग-अलग हिस्सों में हजारों वर्षों से बुनकर अपनी कुशलता, मेहनत और रचनात्मकता के जरिए अनोखे वस्त्र तैयार करते आ रहे हैं। राष्ट्रीय हथकरघा दिवस की शुरुआत वर्ष 2015 में भारत सरकार द्वारा की गई थी। इसके लिए 7 अगस्त की तारीख इसलिए चुनी गई क्योंकि इसी दिन वर्ष 1905 में स्वदेशी आंदोलन की शुरुआत हुई थी, जिसने भारतीय उत्पादों और स्वदेशी उद्योगों को बढ़ावा देने का संदेश दिया था। इस दिवस का उद्देश्य हथकरघा क्षेत्र को प्रोत्साहित करना, बुनकर समुदाय की आर्थिक स्थिति को मजबूत करना और लोगों को भारतीय हस्तनिर्मित वस्त्रों के महत्व के प्रति जागरूक करना है। राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर विद्या बालन का यह संदेश केवल एक अपील नहीं, बल्कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और हस्तनिर्मित वस्त्रों के प्रति सम्मान का प्रतीक भी माना जा रहा है। लंबे समय से भारतीय परिधानों, विशेषकर साड़ियों को अपनी पहचान का हिस्सा बनाने वाली विद्या का मानना है कि हाथ से बुने वस्त्र केवल पहनावे तक सीमित नहीं होते, बल्कि वे देश की विविध परंपराओं, लोककला और शिल्प कौशल को भी जीवंत बनाए रखते हैं। यही कारण है कि वह समय-समय पर विभिन्न मंचों से स्वदेशी वस्त्रों को अपनाने और स्थानीय बुनकरों को प्रोत्साहित करने का संदेश देती रही हैं। विशेषज्ञों का भी मानना है कि बदलते समय में मशीनों से बने कपड़ों की बढ़ती मांग के बीच हथकरघा उद्योग अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है।

ऐसे में प्रसिद्ध हस्तियों द्वारा भारतीय हथकरघा और रेशमी वस्त्रों के समर्थन में आवाज उठाना इस क्षेत्र से जुड़े लाखों बुनकर परिवारों के लिए उत्साहवर्धक साबित होता है। इससे न केवल पारंपरिक शिल्प को नई पहचान मिलती है, बल्कि युवाओं में भी भारतीय हस्तनिर्मित वस्त्रों के प्रति आकर्षण बढ़ता है। भारत का हथकरघा उद्योग देश की सांस्कृतिक विविधता और कारीगरों की अद्वितीय प्रतिभा का प्रतीक माना जाता है। प्रत्येक राज्य की अपनी विशिष्ट बुनाई शैली, रंगों का संयोजन और पारंपरिक डिज़ाइन भारतीय वस्त्रों को वैश्विक स्तर पर अलग पहचान दिलाते हैं। हाथ से तैयार किए गए ये वस्त्र पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यही वजह है कि सरकार और विभिन्न संस्थाएं समय-समय पर हथकरघा उत्पादों के प्रचार-प्रसार तथा बुनकरों के आर्थिक

सशक्तिकरण के लिए अनेक पहल करती रही हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि उपभोक्ता खरीदारी के दौरान प्रमाणित हस्तनिर्मित उत्पादों को प्राथमिकता दें और शुद्ध रेशमी वस्त्रों के लिए 'सिल्क मार्क' जैसे प्रमाण चिह्नों पर ध्यान दें, तो इससे बुनकरों को उचित लाभ मिलेगा और भारत की प्राचीन बुनाई परंपरा आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित रह सकेगी।

सलमान खान बने मसीहा, असम में बाढ़ से बेघर हुए परिवारों को देंगे 500 नए घर, मदद के लिए बढ़ाया हाथ

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान असम में आई भयानक बाढ़ से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए आगे आए हैं। वह 'आशियाना - होप बिगिन्स विद ए सेफ शेल्टर' कैंपेन से जुड़े और एक नेक काम करने का फैसला किया है। इस कैंपेन का मकसद उन लोगों को सुरक्षित घर देना है, जिन्होंने बाढ़ में अपने घर खो दिए थे। इन बेघर लोगों के लिए भाईजान मसीहा बन गए हैं। हर कोई सोशल मीडिया पर सलमान खान की दरियादिल की तारीफ कर रहे हैं और उन्हें रियल लाइफ हीरो बता रहे हैं। सलमान खान के चैरिटी के काम की हमेशा चर्चा होती रहती है। वे हमेशा समाज की भलाई के कामों में लगे रहते हैं। कैंसर के मरीजों की मदद करने से लेकर हजारों बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाने तक, सुपरस्टार हमेशा जरूरतमंद की मदद के लिए खड़े रहते हैं। 'आशियाना - होप बिगिन्स विद ए सेफ शेल्टर' कैंपेन के तहत नेपाली खुटी में निर्माण कार्य पहले ही शुरू हो चुका है। पहले चरण में लगभग 220 सेमी-परमानेंट घर बनकर तैयार हो गए हैं, जिससे कई बेघर परिवारों को रहने के लिए सुरक्षित जगह मिल गई है। इस पहल का लक्ष्य कुल 500 घर बनाना है, जिससे सैकड़ों परिवारों को सुरक्षा, उम्मीद और सम्मान के साथ अपनी जिंदगी फिर से शुरू करने में मदद मिल सके। रणदीप हुड्डा ने वहां पहुंचकर राशन और जरूरी सामान बांटा तो वहीं भूमि पेडनेकर भी राहत कार्यों में जुटे हैं।

'इन्हें देखते ही दिनभर की थकान दूर हो जाती है', ईशा सिंह ने अपनी पालतू बिल्लियों पर लुटाया प्यार

टीवी इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री ईशा सिंह अपने अभिनय के साथ-साथ अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी अक्सर चर्चा में रहती हैं। उनके पास छह पालतू बिल्लियां हैं, जिनको लेकर ईशा ने कहा कि जब वह लंबे और थकाऊ शूटिंग शेड्यूल के बाद घर पहुंचती है, तो उन्हें सबसे ज्यादा सुकून अपनी बिल्लियों के बीच ही मिलता है। उन्होंने कहा कि मेरे लिए इन बिल्लियों के साथ बिताए गए समय से बढ़कर कुछ नहीं है। यह मेरे परिवार का हिस्सा हैं, जिन्होंने मेरी जिंदगी को प्यार और खुशी से भर दिया है। ईशा सिंह ने बताया कि उनकी छह बिल्लियों के नाम सिम्बा, गिन्नी, गुच्ची, प्राडा, लिम्का और कोला हैं। ईशा ने कहा, ''लोग अक्सर पूछते हैं कि लगातार शूटिंग और व्यस्त दिनचर्या के बाद मैं खुद को कैसे रिलैक्स करती हूं। इस सवाल का जवाब मेरे लिए बेहद आसान है। जैसे ही मैं घर का दरवाजा खोलती हूं, तो सभी बिल्लियां मेरा स्वागत करने के लिए दौड़कर आती हैं। ये देख दिनभर की थकान और तनाव पलभर में गायब हो जाता है। ये मुझसे कुछ नहीं मांगती और बिना किसी शर्त के मुझे प्यार करती हैं। यही बात मुझे सबसे ज्यादा सुकून देती है।'' अभिनेत्री ने अपनी हर बिल्ली की अलग-अलग खासियत का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, ''सिम्बा बहुत आत्मविश्वासी है और हमेशा घर में अपनी मौजूदगी का एहसास कराती है। गिन्नी सबसे ज्यादा प्यार जताने वाली है और हर समय मेरे पास आकर बैठना पसंद करती है।

गुच्ची का अपना अलग ही अंदाज है और उसमें भरपूर नखरे हैं। वहीं प्राडा बेहद शांत स्वभाव की है। लिम्का हमेशा नई शरारतें करती रहती है और हर दिन कुछ नया कर देती है, जबकि कोला पूरे घर का सबसे बड़ा मनोरंजन है।'' ईशा ने कहा कि इन सभी को आपस में खेलते, दौड़ते और मस्ती करते देखना किसी भी फिल्म या टीवी शो से ज्यादा मजेदार होता है। हर दिन इनकी नई हरकतें घर में खुशियां बिखेर देती हैं और कोई भी दिन पहले जैसा नहीं लगता। ईशा सिंह का कहना है, ''पालतू जानवर इंसान की जिंदगी में जितना बदलाव लाते हैं, उसका एहसास हर किसी को नहीं हो पाता।"

सार समाचार

बांग्लादेश में जुलाई में सड़क हादसों में 416 लोगों की मौत, 629 घायल

ढाका। बांग्लादेश में जुलाई महीने के दौरान सड़क हादसों में कम से कम 416 लोगों की मौत हो गई, जबकि 629 लोग घायल हुए। इस अवधि में देशभर में 458 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी रोड सेफ्टी फाउंडेशन (आरएसएफ) की रिपोर्ट के हवाले से दी। आरएसएफ की रिपोर्ट के अनुसार, हादसों में जान गंवाने वालों में 57 महिलाएं और 48 बच्चे भी शामिल हैं, जो सड़क दुर्घटनाओं के गंभीर मानवीय प्रभाव को दर्शाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, मोटरसाइकिल सबसे घातक परिवहन साधन साबित हुई। जुलाई में मोटरसाइकिल से जुड़े 159 हादसों में 138 लोगों की मौत हुई। कुल सड़क मौतों में मोटरसाइकिल हादसों की हिस्सेदारी 33.17 प्रतिशत रही, जबकि कुल दुर्घटनाओं में इनकी भागीदारी 34.71 प्रतिशत दर्ज की गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि पैदल चलने वाले लोग भी सड़क दुर्घटनाओं का सबसे अधिक शिकार बने। सड़क पर चलते या सड़क पार करते समय 106 लोगों की मौत हुई, जो कुल मौतों का 25.48 प्रतिशत है। वहीं, हादसों में 51 चालक और परिवहन सहायक भी मारे गए, जो कुल मृतकों का 12.25 प्रतिशत हैं। रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रीय राजमार्गों पर सबसे अधिक 169 दुर्घटनाएं हुईं, जो कुल हादसों का 36.89 प्रतिशत हैं। इसके बाद क्षेत्रीय सड़कों पर 155 दुर्घटनाएं (33.84 प्रतिशत), शहरी सड़कों पर 66 (14.41 प्रतिशत), ग्रामीण सड़कों पर 61 (13.31 प्रतिशत) और अन्य स्थानों पर सात दुर्घटनाएं दर्ज की गईं। बांग्लादेश के आठ प्रशासनिक संभागों में ढाका संभाग सबसे अधिक प्रभावित रहा। यहां 133 सड़क हादसों में 125 लोगों की मौत हुई, जो देशभर में हुई कुल मौतों का लगभग एक-तिहाई है। वहीं बरिशाल में सबसे कम 28 हादसे दर्ज किए गए, जिनमें 24 लोगों की जान गई।

ईरान के पुराने झंडे वाले पोस्ट पर मचा बवाल, इटली के विदेश मंत्रालय ने दी सफाई

रोम। इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो तजानी के ईरान के पुराने झंडे वाले सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर चर्चा तेज हो गई। मामला बढ़ने पर विदेश मंत्री के हैंडल से ईरान के इस्लामिक क्रांति से पहले के झंडे वाले इमोजी को डिलीट कर नया पोस्ट साझा किया गया। विदेश मंत्रालय ने बाद में इस मामले में सफाई भी दी और इस घटना को तकनीकी दिक्कत बताया। इटली के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को ईरान इंटरनेशनल मीडिया को बताया, "पोस्ट में सिर्फ तकनीकी वजहों से बदलाव किया गया था। इसे किसी और वजह या बाहरी पार्टियों के कम्युनिकेशन, अपील या दबाव की वजह से नहीं जोड़ा जा सकता।" दरअसल, तजानी ने ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची के साथ फोन पर बात की।

पाकिस्तान में 63 फीसदी आबादी पौष्टिक भोजन खरीदने में असमर्थ, 16.1 करोड़ लोग प्रभावित

नई दिल्ली। पाकिस्तान में करीब 63 फीसदी आबादी (यानी लगभग 16.1 करोड़ लोग) स्वस्थ और पौष्टिक भोजन का न्यूनतम स्तर भी वहन करने में सक्षम नहीं हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, आवास, परिवहन और बिजली-पानी जैसे आवश्यक गैर-खाद्य खर्चों के बाद अधिकांश लोगों के पास अनाज, दाल, दूध, अंडे, फल, सब्जियां और अन्य पोषक खाद्य पदार्थ खरीदने के लिए पर्याप्त आय नहीं बचती। द न्यूज पाकिस्तान में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2025 में पाकिस्तान की लगभग दो-तिहाई आबादी न्यूनतम स्वस्थ आहार का खर्च उठाने में असमर्थ रही। दक्षिण एशिया में पौष्टिक खाद्य पदार्थों की सबसे कम कीमत होने के बावजूद, स्वस्थ भोजन की पहुंच के मामले में पाकिस्तान क्षेत्र में सबसे खराब स्थिति में है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर भूख की स्थिति में कुछ सुधार देखने को मिला है। वर्ष 2025 में दुनिया की 7.8 फीसदी आबादी भूख से प्रभावित रही, जबकि यह आंकड़ा 2024 में 8.1 फीसदी और 2022 में 8.6 फीसदी था। हालांकि, पाकिस्तान में खाद्य वस्तुओं की महंगाई 2023 के उच्च स्तर से कम होने के बावजूद भोजन की वहनीयता अब भी बड़ी चुनौती बनी हुई है। विश्लेषकों का कहना है कि महंगाई की रफ्तार धीमी जरूर हुई है, लेकिन ऊंची महंगाई के कारण लोगों की क्रय शक्ति में आई भारी गिरावट की भरपाई अब तक नहीं हो सकी है। रिपोर्ट के अनुसार, महंगाई को समायोजित करने के बाद वास्तविक घरेलू आय में लगभग 13 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। वहीं, गरीबी दर 21.9 फीसदी से बढ़कर 28.9 फीसदी हो गई, जिससे अनुमानित 2.5 करोड़ अतिरिक्त लोग गरीबी रेखा के नीचे पहुंच गए।

रूस से तेल-गैस खरीदने वालों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा अमेरिका, सीनेट में पास हुआ बिल

अमेरिकी सीनेट ने शुक्रवार को भारी बहुमत से रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाने वाले पैकेज को मंजूरी दे दी है। यह विधेयक, जो सीनेट में 86-11 के बहुमत से पारित हुआ, उन देशों को दंडित करेगा जो पुतिन को युद्ध को बढ़ावा देने वाले राजस्व से वंचित करने के उद्देश्य से रूसी तेल, गैस और अन्य निर्यात खरीदना जारी रखते हैं। यह पैकेज दिवंगत सीनेटर लिंडसे ग्राहम द्वारा यूक्रेन के लिए अमेरिकी समर्थन को मजबूत करने और लंबे समय से चल रहे युद्ध में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर दबाव बनाने के लिए चलाए गए एक साल के अभियान का परिणाम है। यह विधेयक यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की के दिवंगत सीनेटर लिंडसे ग्राहम के अंतिम संस्कार के कुछ घंटों बाद कैपिटल हिल का दौरा करने, दोनों दलों के सीनेटरों से मिलने और पिछले सप्ताह सीनेट द्वारा इस व्यापक विधेयक पर पहली प्रक्रियात्मक वोटिंग के बाद आया है। अब जो भी देश रूस से तेल, गैस या अन्य सामान खरीदेंगे, उनपर अमेरिका 100 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा। इस पैकेज पर दिवंगत दक्षिण कैरोलिना के सीनेटर के साथ काम करने वाले सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल (डी-कनेक्टिकट) ने कहा, "आज राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की यूक्रेन से और पुतिन मॉस्को से देख रहे हैं। मुझे लगता है कि लिंडसे ग्राहम भी देख रहे होंगे।" आज हम यूक्रेन के लोगों से कहते हैं: आप अकेले नहीं हैं। और आज हम व्लादिमीर पुतिन से कहते हैं कि आप यूक्रेन पर विजय प्राप्त नहीं कर पाएंगे। सीनेट द्वारा शक्ति प्रदर्शन का यह व्यापक कदम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल के दौरान चार साल से अधिक समय से चल रहे रूस यूक्रेन युद्ध की दिशा में अब तक का सबसे महत्वपूर्ण कदम है, जिसने अब और भी गंभीर मोड़ ले लिए हैं। सीनेट की मंजूरी के बाद अब इस विधेयक की अगली परीक्षा प्रतिनिधि सभा में होगी। सदन की मंजूरी मिलने और राष्ट्रपति की स्वीकृति के बाद ही इसके प्रावधान प्रभावी हो सकेंगे। इसका सीधा उद्देश्य उन देशों पर आर्थिक दबाव बढ़ाना है, जो रूसी ऊर्जा खरीद के माध्यम से रूस की अर्थव्यवस्था को मजबूती दे रहे हैं।

इजरायली सूत्रों का दावा- खामेनेई की हालत गंभीर, अस्पताल में हैं भर्ती

इजरायली मीडिया के मुताबिक ईरान के सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई की हालत बहुत गंभीर है और उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया है। चैनल 14 (C14) ने ईरान के अंदर के सूत्रों का हवाला देते हुए और जेरूसलम पोस्ट की एक पुरानी रिपोर्ट (जिसमें ईरानवायर और राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के प्रशासन के करीबी सूत्रों का जिक्र था) के आधार पर बताया है कि सरकार के आला स्तरों पर यह अफवाह तेजी से फैल रही है कि खामेनेई "बेहद गंभीर हालत" में हैं। जेरूसलम पोस्ट के एक सूत्र ने कहा, "अगर हमें जल्द ही उनके शहीद होने की खबर मिले तो हमें हैरानी नहीं होगी।" बता दें कि मुज्तबा खामेनेई ने 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के संयुक्त सैन्य हमलों में अपने पिता के मारे जाने के कुछ ही समय बाद सुप्रीम लीडर का पद संभाला था। पद संभालने के बाद से वह सार्वजनिक रूप से कहीं नजर नहीं आए हैं और उन्होंने सिर्फ लिखित बयानों के जरिए ही बातचीत की है। रिपोर्ट्स से पता चलता है कि वे उन शुरुआती हमलों में घायल हो गए थे और शायद उनका चेहरा भी बुरी तरह ज़ख्मी हो गया था, जिनमें उनके पिता के परिसर को निशाना बनाया गया था। इसके चलते उन्हें छिपना पड़ा और हमले से बचने के लिए उन्हें सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत करने के लिए बिचौलियों के एक धीमे नेटवर्क का सहारा लेना पड़ा। उनकी स्थिति को लेकर चल रही अटकलों के बीच, राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने सरकारी टीवी को दिए एक इंटरव्यू में माना कि इस समय मुज्तबा खामेनेई से सीधे बातचीत करना "बहुत मुश्किल" है। अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय रिपोर्ट्स में बार-बार उनके ठिकाने और काम करने की क्षमता पर सवाल उठाए गए हैं।

बन गया इस्लामिक नाटो! पाकिस्तान-सऊदी अरब-तुर्किये ने संयुक्त रक्षा समझौते पर किए हस्ताक्षर

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच, पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये ने शुक्रवार को एक संयुक्त रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत, तीनों देशों में से किसी एक पर भी हमला होने पर उसे तीनों देशों पर हमला माना जाएगा। एक संयुक्त बयान के अनुसार, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने मक्का के अल-सफा पैलेस में हुई बैठक के दौरान 'मक्का संयुक्त रक्षा समझौते' पर हस्ताक्षर किए। संयुक्त रक्षा के लिए मक्का अल-मुकर्रमा शिखर सम्मेलन के दौरान हस्ताक्षरित इस समझौते का उद्देश्य किसी भी आक्रामक कार्रवाई के खिलाफ सामूहिक सुरक्षा को मजबूत करना है। इसमें यह प्रावधान है कि तीनों देशों में से किसी एक पर भी सशस्त्र हमला होने पर उसे तीनों देशों पर हमला माना जाएगा। बयान में कहा गया है कि इसमें तीनों देशों के बीच रक्षा सहयोग के सभी पहलुओं को बढ़ाने का भी प्रावधान है।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब पश्चिम एशिया का संघर्ष कई मोर्चों पर फैल गया है, जिसमें लाल सागर और बाब अल-मंदेब स्ट्रेट शामिल हैं।

इससे खाड़ी देशों को क्षेत्रीय सुरक्षा समन्वय मजबूत करने के लिए प्रेरित होना पड़ा है। बयान में कहा गया है कि मक्का समझौता "तीनों देशों की सामूहिक सुरक्षा को और मजबूत करने तथा क्षेत्र और उससे बाहर शांति, सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है, ताकि एक सुरक्षित और समृद्ध भविष्य सुनिश्चित किया जा सके।" बता दें इससे पहले पिछले साल सितंबर में, पाकिस्तान और सऊदी अरब ने "स्ट्रैटेजिक म्यूचुअल डिफेंस एग्रीमेंट" (रणनीतिक आपसी रक्षा समझौता) पर हस्ताक्षर किए थे। इसमें वादा किया गया था कि किसी भी देश पर हमले को "दोनों देशों के खिलाफ आक्रामकता" माना जाएगा। इस रक्षा समझौते के तहत, पाकिस्तान ने संयुक्त प्रशिक्षण, रक्षा सहयोग और सऊदी अरब की सुरक्षा जरूरतों में मदद के लिए वहां अपने सैनिक और विमान भेजे थे।

ट्रंप ने मध्यस्थ देशों की लिस्ट से गायब किया पाकिस्तान का नाम

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव को कम करने की कोशिशों में पाकिस्तान की भूमिका को लेकर उठे सवालों पर इस्लामाबाद ने सफाई दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में अमेरिका-ईरान संबंधों में शांति प्रयासों के लिए खाड़ी देशों की भूमिका की तारीफ की थी, लेकिन इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान का नाम नहीं लिया। इसके बाद पाकिस्तान ने कहा कि वह अब भी इस प्रक्रिया में सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता राजदूत ताहिर अंद्राबी ने कहा कि पाकिस्तान दोनों पक्षों के साथ लगातार संपर्क में है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग मुद्दों पर अलग-अलग देश नेतृत्व की भूमिका निभाते हैं, लेकिन व्यापक स्तर पर देखें तो पाकिस्तान, कतर और अन्य सहयोगी देशों की कोशिशें एक समन्वित और मिलकर चलाए जा रहे प्रयास का हिस्सा हैं। एक पत्रकार ने सवाल किया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने कुछ दिन पहले अमेरिका और ईरान के बीच शांति प्रयासों में खाड़ी देशों की भूमिका की सराहना की थी, लेकिन पाकिस्तान का जिक्र नहीं किया। इस पर अंद्राबी ने कहा कि पाकिस्तान अपनी भूमिका निभा रहा है और संबंधित पक्षों के साथ बातचीत जारी रखे हुए है। उन्होंने कहा कि अमेरिका-ईरान के बीच हालिया तनाव खास तौर पर होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े गतिरोध के संदर्भ में था। ऐसे हालात में बातचीत को आगे बढ़ाने और समाधान तक पहुंचाने के लिए सुविधा प्रदान करने वाली भूमिका ज्यादा महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की भूमिका केवल किसी एक घटना तक सीमित नहीं है। ताहिर अंद्राबी ने पाकिस्तान और कतर के बीच सहयोग का भी जिक्र किया।

बच्चों के शोषण के मामले में पाकिस्तान ने बनाया शर्मनाक रिकॉर्ड, रिपोर्ट में खुलासा!

पाकिस्तान में बच्चों के खिलाफ अपराध के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। 'डॉन' में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, बच्चों की सुरक्षा के लिए काम करने वाली संस्था 'साहिल' की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 2026 के पहले 6 महीने में ही पाकिस्तान में बच्चों के खिलाफ क्राइम के मामलों में चिंताजनक उछाल आया है। 2026 में जनवरी से जून तक बच्चों के साथ 1 हजार 914 मामले अपराध के सामने आए हैं। 'डॉन' के अनुसार, इस साल की पहली छमाही के दौरान अलग-अलग घटनाओं में 49 नवजात शिशु लावारिस हालत में बरामद हुए, जबकि बच्चों के यौन शोषण के 1 हजार 15 केस सामने आए, जो सबसे ज्यादा रिपोर्ट किया गया अपराध है। आंकड़ों में किडनैपिंग के 558 केस, बच्चों के लापता होने के 101 केस और बाल विवाह के 35 केस भी रजिस्टर किए गए। जान लें कि बच्चों के खिलाफ अपराध की ये रिपोर्ट पाकिस्तान के 4 प्रांतों के साथ-साथ इस्लामाबाद, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान में पब्लिश होने वाले राष्ट्रीय और क्षेत्रीय अखबारों की खबरों के आधार पर तैयार की गई है। पीड़ितों में 58 फीसदी लड़कियां हैं। सबसे ज्यादा अपराध 11 से 15 साल की उम्र के बच्चे के साथ हुआ। ऐसे 598 पीड़ित बच्चे हैं जिनकी उम्र 11-15 साल थी, जबकि 16 से 18 साल के 356 बच्चे भी इसमें शामिल हैं। इसके अलावा, 329 पीड़ित बच्चों 6 से 10 साल की आयु के भी हैं, जबकि 95 बच्चे तो 5 साल या उससे कम उम्र के हैं। हालांकि, उपलब्ध रिकॉर्ड में शामिल 487 पीड़ितों की उम्र के बारे में पता नहीं चल पाया है। पड़ताल में यह भी मालूम चला कि अपराधी ज्यादातर बार पीड़ितों के परिचित होते थे। रिपोर्ट किए गए केस में से 43 फीसदी में परिचितों को कथित अपराधी के तौर पर पहचाना गया, जबकि 34 प्रतिशत केस में अनजान लोग अपराध में शामिल थे। करीब 45 फीसदी शोषण की घटनाएं पीड़ितों के घरों में हुईं, जबकि 18 प्रतिशत वारदातें संदिग्धों के घरों में हुईं। 'डॉन' की रिपोर्ट के अनुसार, 3 फीसदी अपराध खुले खेतों में अंजाम दिए गए, जबकि 21 प्रतिशत वारदातों में जगह का पता नहीं चल पाया। 'डॉन' की रिपोर्ट के अनुसार, इन आपराधिक मामलों में से 57 फीसदी केस शहरी इलाकों में हुए, जबकि 43 प्रतिशत केस ग्रामीण इलाकों में सामने आए। दिलचस्प है कि सबसे ज्यादा यानी 80 फीसदी मामले पंजाब में रजिस्टर किए गए, इसके बाद सिंध में 15 फीसदी केस सामने आए, और बाकी 5 प्रतिशत वारदातें देश के अन्य भागों से रिपोर्ट हुए। हाल ही में पाकिस्तानी सेना के PoK में सड़कों पर कत्लेआम मचाने की खबर आई थी, जिसमें 30 से ज्यादा लोगों की मौत कंफर्म बताई गई थी।

थाईलैंड में छात्र ने स्कूल में की अंधाधुंध फायरिंग, टीचर को मारी गोली, खुद को कर लिया शूट

थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के ठीक उत्तर में स्थित एक प्रांत के स्कूल में एक छात्र ने स्कूल में अंधाधुंध फायरिंग की। आठवीं के छात्र ने पहले टीचर को गोली मारी, फिर खुद को भी शूट कर लिया। फायरिंग की इस घटना में कम से कम 15 छात्र घायल हो गए। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार (7 अगस्त, 2026) को स्कूल में हुई इस फायरिंग की घटना में एक शिक्षक और शूटर छात्र की मौत हो गई है। स्थानीय प्रसारक 'थाई पीबीएस' ने बताया, "नोंथाबुरी प्रांत के बांग क्रुआई जिले के एक जाने-माने हाई स्कूल में गोलीबारी हुई है। शुरुआती रिपोर्टों से पता चलता है कि अबतक सात की मौत हो गई है।" थाईलैंड के शिक्षा मंत्री प्रसर्ट चंतारारुआंगथोंग ने स्कूल में हुई गोलीबारी की घटना के बाद तुरंत कार्रवाई और मदद का भरोसा दिलाया और संवेदनशील जानकारी शेयर करने में सावधानी बरतने की अपील की।X पर उन्होंने कहा, "मैं अभी उबोन रत्चाथानी प्रांत में सरकारी काम से हूं और लगातार हालात पर नज़र रखे हुए हूं। मैंने शिक्षा मंत्रालय के तहत सभी एजेंसियों को निर्देश दिया है कि वे संबंधित अधिकारियों और संगठनों के साथ मिलकर तेज़ी से काम करें ताकि स्थिति को जल्द सुलझाया जा सके, छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों की सुरक्षा को सबसे ज़्यादा प्राथमिकता दी जा सके, और प्रभावित सभी लोगों की शारीरिक और मानसिक स्थिति का तुरंत आकलन करके उन्हें पूरी मदद और सहयोग दिया जा सके।" उन्होंने जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति संवेदना भी व्यक्त की।

दादा-दादी की हत्या कर स्कूल पहुंचा, टीचर्स और दोस्तों को भून डाला, 8वीं के छात्र का खूनी खेल

थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के एक स्कूल में आठवीं क्लास के एक स्टूडेंट ने अंधाधुंध फायरिंग की, जिसमें तीन टीचर्स सहित आठ लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने हमले के बारे में नई जानकारी देते हुए बताया कि शुक्रवार को थाईलैंड में स्कूल में हुई जानलेवा गोलीबारी के संदिग्ध छात्र ने बैंकॉक के पास अपने स्कूल पर हमला करने से पहले, अपने घर पर अपने दादा-दादी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। हमले में शूटर के दादा-दादी के अलावा, चार छात्र और तीन शिक्षक भी मारे गए। पुलिस के मुताबिक, स्कूल के ही एक छात्र रहे उस किशोर शूटर ने खुद पर ही गोली चला ली, जिससे उसकी भी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि हमलावर छात्र आठवीं क्लास में पढ़ता था, उसने स्कूल जाने से पहले अपने घर पर दादा-दादी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके बाद उसने स्कूल पहुंचकर छात्रों और शिक्षकों पर अंधाधुंध गोलियां चलाईं। अधिकारी दोनों हमलों के पीछे की वजह का पता लगाने के लिए जांच कर रहे हैं। पुलिस का मानना है कि गोलीबारी में इस्तेमाल की गई बंदूक छात्र ने परिवार के ही किसी सदस्य से ली थी। अचानक छात्र के अंधाधुंध गोली चलाने से स्कूल में अफरातफरी मच गई; छात्र कैंपस से भागने लगे और घायलों को एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया। स्कूल के बाहर शिक्षक एक-दूसरे को गले लगाते और रोते हुए देखे गए। 18 साल के एक छात्र ने बताया कि शुरू में उसे गोली चलने की आवाज़ पटाखे जैसी लगी। उसने कहा, "शुरू में मुझे नहीं लगा कि यह बंदूक की आवाज़ है। कई बार गोली चलीः बैंग-बैंग-बैंग। फिर सन्नाटा छा गया। फिर दोबारा गोली चलने लगी।"

SPORTS NEWS

Sharmila Dhankhar Creates History at Commonwealth Games

GlasgowIndian para athlete Sharmila Dhankhar created history at the Commonwealth Games by winning India's first-ever gold medal in para athletics. Her remarkable achievement marked a historic milestone for Indian sports and ended a two-decade wait for a Commonwealth para athletics medal. Sharmila secured the gold medal in the Women's F57 Shot Put event with a best throw of 9.81 meters, delivering a memorable performance on Monday night. With this victory, she became the first Indian para athlete to win a gold medal in Commonwealth Games history. India also added three silver medals to its tally in athletics. Sarvesh Kushare, Valluri Ajay Babu, and Gyaneshwari Yadav each claimed a silver medal in the long jump, strengthening the country's medal count. Sharmila's historic triumph also ended India's 20-year wait for a para athletics medal at the Commonwealth Games. The last time India won a medal in Commonwealth para athletics was at the 2006 Commonwealth Games.

Commonwealth Games 2026 : Boxer Jadumani Singh Misses Gold

Indian boxer Jadumani Singh settled for a silver medal in the men's 55kg boxing event at the Commonwealth Games 2026 after losing 0-5 to Australia's Jai Dixon in the final at SEC Hall-5 on Saturday. Jadumani made a strong start to the title bout, edging the opening round 3-2 against Dixon. Three judges awarded him perfect 10-point scores, giving the Indian boxer an early advantage. However, the momentum shifted dramatically in the second round as Jai Dixon dominated the contest. The Australian received 10 points from all five judges, taking a 20-18 lead heading into the final round. Dixon continued his impressive performance in the third round, once again earning 10 points from all five judges to seal a unanimous victory and claim the gold medal, while Jadumani Singh finished with the silver medal. Jadumani Singh displayed outstanding form throughout the tournament before reaching the final. Defeated Aaron Cullen (Scotland) 5-0 in the Round of 32.Beat Sumama Rahman (Pakistan) 5-0 in the Round of 16.Outclassed Mwengo Mwale (Zambia) 5-0 in the quarterfinals. Born in Manipur, Jadumani Singh is regarded as one of India's most promising amateur boxers.

Grand Welcome for Indian Team Upon Return; Athletes Thank Government and Supporting Institutions

The Indian contingent, which brought glory to the country with an impressive performance at the 2026 Commonwealth Games, received a grand welcome at Delhi's Indira Gandhi International (IGI) Airport. A large number of sports fans, family members, sports officials and supporters gathered at the airport to welcome the returning athletes. Amid drums, garlands and chants of "Bharat Mata Ki Jai," the athletes were warmly welcomed at the IGI Airport. Expressing their gratitude for the reception, the players said the welcome felt nothing short of a dream and pledged to continue striving to win medals for the country. Boxing Federation of India President Ajay Singh told reporters that, for the first time in the 96-year history of the Commonwealth Games, India had won seven gold medals in boxing. He described the achievement as a matter of immense pride not only for Indian boxing but for the entire country. Crediting the boxers, coaching staff and all supporting institutions for the success, Singh said the achievement had further strengthened the identity of Indian boxers on the global stage. Gold medallist Sakshi Chaudhary expressed her happiness over the grand reception at the airport. She said she felt extremely proud to see so many people turn up to welcome the athletes. She attributed the success to this support and improved training facilities.

Phoebe Litchfield breaks Shafali Verma's Women's Hundred record as Leeds beat Birmingham

Australia international Phoebe Litchfield broke Shafali Verma's record for fastest half-century in Women's Hundred history. Representing Sunrisers Leeds, Phoebe smacked a 20-ball half-century, helping her team register a comfortable nine-wicket win at Edgbaston. With that, she also surpassed Shafali's feat, smacking a 22-ball half-century in the match between Birmingham Phoenix and Welsh Fire in 2021. Litchfield finished unbeaten on 71 from 33 balls, hitting 13 fours and a six at a strike rate of 215.15. Chasing only 108 runs, she set the tone right from the start as Leeds won the game with 31 balls to spare. Even though the 23-year-old lost her opening partner early, she didn't change her approach. Keeper-batter Lauren Winfield-Hill played the perfect role of second fiddle as Leeds got the job done rather comfortably. In the first innings, India all-rounder Deepti Sharma stole the show. After a subpar T20 World Cup 2026, Deepti is finally showing signs of form, as she claimed three wickets against Birmingham. She dominated the middle and lower batters, dismissing Annerie Dercksen, Fatima Sana and Alana King. Her dominance didn't allow Birmingham to find any momentum in the middle overs and that set up an easy win for Leeds. In the meantime, Phoebe was adjudged the Player of the Match for her record-breaking knock. In the post-match presentation, she spoke about her attacking approach was based on putting pressure on the bowlers. "I think you'll either die by the sword at times, but I think putting the pressure back on the bowlers is the best way to go in T20 cricket or The Hundred. So, that's part of my blueprint, and it came off today. But, it's been a while, first 50 in The Hundred. That's a nice little moment for me," Phoebe said. Notably, the knock took Litchfield's season tally to 207 runs from six innings. She is averaging 41.40 and has a strike rate of 153.33. Leeds, in the meantime, have moved to fourth on the points table and with that, they remain alive in the playoffs race. Currently, the Danielle Gibson-led side is tied with Welsh Fire, who is fifth on the table. Australia international Phoebe Litchfield produced a sensational batting display in The Hundred 2026, rewriting the record books with the fastest half-century in the history of the women's competition. Litchfield's aggressive approach was evident from the opening deliveries.

FIFA president Gianni Infantino faces fresh scrutiny over payment linked to alleged affair

FIFA president Gianni Infantino is facing renewed scrutiny over his time at UEFA. On Friday, August 7, Europe's governing body confirmed that a departure payment was made to a woman who was alleged to have had a relationship with the current FIFA president. The payment was described as a six-figure sum. The report further adds that the woman had worked at UEFA while Infantino was the organisation's general secretary, a position he held from 2009 until 2016. In the meantime, Infantino, who is married, has rejected the allegations. A spokesman for the FIFA president told the Daily Telegraph that he denies any suggestion of improper conduct. "FIFA president Gianni Infantino strongly denies these allegations, and they are categorically untrue.

Any insinuation of inappropriate conduct or violation of statutes or regulations is defamatory," a FIFA spokesman said. The report has not alleged that Infantino was formally accused of misconduct by an employee. His spokesman also rejected the suggestion that any such incident had taken place. "No employee at UEFA and FIFA has ever raised a complaint regarding Mr Infantino's behaviour because there never was an incident where he was involved," it was added. UEFA has acknowledged that money was paid to the woman, but said the payment was connected to her education. According to the organisation, it covered costs associated with completing an MBA at a local business school. UEFA further said the arrangement complied with the rules governing payments at the time. It added that its regulations have since been strengthened, describing the updated standards as reflecting those expected of a modern, high-profile organisation.

Pakistan bans young cricketer Hamza Nazar for two years for disciplinary regulations

Pakistan Cricket Board (PCB) has suspended young all-rounder Hamza Nazar for two years after an inquiry found that he provided misleading information and failed to disclose important details during a visa application process. The ban prevents Hamza from taking part in all domestic and international cricket activities during the suspension period. Along with the two-year cricketing ban, the PCB has also imposed a fine of PKR one million on the player for violating its disciplinary regulations. Notably, the action followed an investigation into details submitted by Hamza in a visa application handled through the PCB.

The board determined that the all-rounder did not provide complete and accurate information and withheld material facts during the process. To examine the matter, the PCB appointed a three-member inquiry committee. Hamza was given an opportunity to present his explanation and respond to the allegations before the committee reviewed his submissions and the available evidence. After completing its assessment, the committee submitted their findings and recommendations to the PCB.

Sri Lanka Cricket announces free tickets for marquee Test series against India

Sri Lanka Cricket (SLC) has announced free tickets to selected sections for the upcoming two-Test World Test Championship series against India.

The first Test will be played at the Galle International Cricket Stadium from August 15 to 19, while the second is scheduled at the Sinhalese Sports Club in Colombo from August 23 to 27.

Free entry will be available only through Gate 4 at Galle and Gates 3, 4, 5 and 7 at the SSC, with access restricted to the grass embankment areas.

"Sri Lanka Cricket wishes to announce that public admission to the upcoming Test Series between Sri Lanka and India will be free of charge thus providing cricket fans with an excellent opportunity to witness world-class Test cricket," the statement from SLC read.

Emilio Gay suffers shoulder injury, remains doubtful for Pakistan Tests as England seek replacement options

England's preparations for the Test series against Pakistan have been hit by uncertainty after opener Emilio Gay suffered a right shoulder injury while playing for Durham in the One-Day Cup clash against Middlesex. His injury has now left the national selectors facing a possible search for backup at the top of the order. The youngster was forced to leave the field after aggravating the injury while batting. The southpaw initially experienced discomfort in the sixth over before the problem worsened when he played a straight drive against Toby Roland-Jones in the following over. A Durham medical staff member attended Gay before he walked off the field after scoring nine runs from 17 deliveries. As per a report in Cricinfo, a scan scheduled for the weekend will determine the seriousness of the injury. However, Durham confirmed that the batter will not return for the remainder of the match. Meanwhile, the setback comes shortly after England announced their squad for the Pakistan series, slated to begin at Headingley on August 19. He was first selected for the three-match series against New Zealand and after scoring two half-centuries, the 26-year-old sealed his spot. England's selection plans have already been affected by other absences.

Ravi Ashwin explores Hardik Pandya's possible move to KKR

Former India cricketer Ravichandran Ashwin has suggested that Mumbai Indians should seek a major return if they decide to trade captain Hardik Pandya. It is not being understood that three franchises, including Kolkata Knight Riders and Chennai Super Kings are heavily interested in the all-rounder, but the three-time champions could be slightly ahead in the negotiations. Meanwhile, Pandya's future with Mumbai Indians has come under scrutiny after the franchise endured another disappointing IPL campaign in 2026. The five-time champions finished ninth in the 10-team standings, with the team reaching the playoffs only once in three seasons under Pandya's leadership. Ashwin also highlighted the importance of assessing which team would benefit most from acquiring Pandya.

हनुमानासन : पैरों, कूल्हों और जांघों की जकड़न करता है दूर, पेल्विक मसल्स के लिए भी खास फायदेमंद

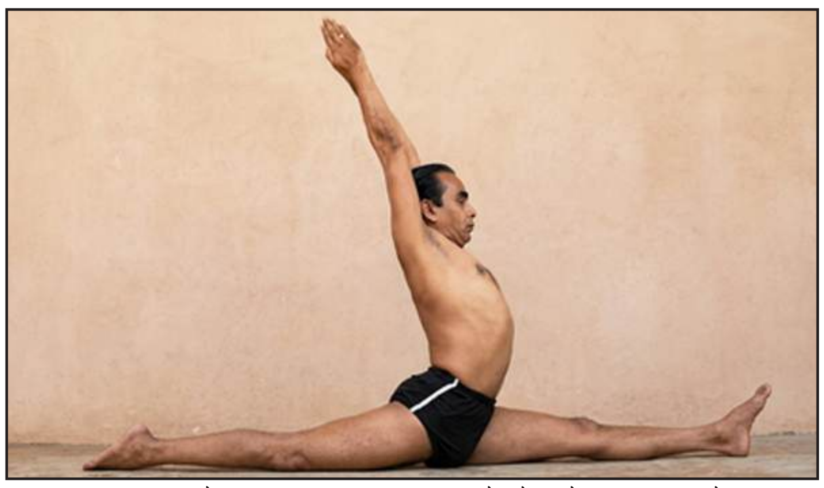

दफ्तर में लगातार डेस्क पर बैठे रहने से कमर में दर्द और पैरों की मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं। योग के अनेक आसनों में से एक हनुमानासन प्रभावी माना जाता है। इस आसन के नियमित अभ्यास से शरीर का निचला भाग मजबूत और लचीला बनता है। यह आसन हठयोग का अत्यंत प्रभावी और उन्नत श्रेणी का आसन है। ऐसी मान्यता है कि इस आसन का नाम भगवान हनुमान के उस विशाल छलांग से लिया गया, जो उन्होंने सीता माता की खोज में लंका जाने के लिए लगाई थी। आयुष मंत्रालय के अनुसार, हनुमानासन (स्प्लिट्स पोज) शरीर के लचीलेपन और संतुलन को बढ़ाने वाला एक उन्नत आसन है। यह आसन शरीर की लचक बढ़ाने में मदद करता है और खासकर पेल्विक मसल्स को ताकत देता है। यह आसन पैरों, कूल्हों और जांघों की जकड़न को खोलता है और पूरे शरीर में ऊर्जा का संचार करता है। नियमित अभ्यास से न सिर्फ शारीरिक शक्ति बढ़ती है, बल्कि मन में एकाग्रता और धैर्य भी आता है। आइए जानते हैं हनुमानासन करने की सही विधि, फायदे और सावधानियां।इस आसन को करने से शरीर में रक्त प्रवाह का संचार होता है, जिन लोगों के शरीर में रक्त प्रवाह सही से नहीं होता, वे इसका रोजाना अभ्यास कर सकते हैं। साथ ही, यह पेट की मांसपेशियों को टाइट बनाता है, अतिरिक्त चर्बी को घटाता है, नितंबों और जांघों की चर्बी को कम करने में यह आसन बहुत फायदेमंद है। हनुमानासन को करने के लिए सबसे पहले जमीन पर घुटनों के बल बैठ जाएं। दाएं पैर को आगे की ओर बढ़ाएं और सीधा रखें, हाथों का सहारा लेकर धीरे-धीरे दाएं पैर को आगे और बाएं पैर को पीछे खिसकाएं। अब शरीर के वजन को हाथों से संभालते हुए कूल्हों को नीचे जमीन की तरफ लाएं। संतुलन बनने पर हथेलियों को छाती के आगे जोड़ लें।

माइग्रेन के दर्द को बढ़ा सकती हैं ये 5 गलतियां, छोटी-छोटी आदतों में बदलाव से मिलेगी राहत

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में सिरदर्द एक आम समस्या बन गई है, लेकिन हर सिरदर्द सामान्य नहीं होता। कुछ लोगों को बार-बार होने वाला तेज दर्द, रोशनी और आवाज से परेशानी, जी मिचलाना या कमजोरी जैसी समस्याएं महसूस होती हैं, जिसे माइग्रेन कहा जाता है। यह सिर्फ सिर में दर्द की स्थिति नहीं है, बल्कि यह शरीर के तंत्रिका तंत्र से जुड़ी एक जटिल समस्या है। विशेषज्ञों के अनुसार, माइग्रेन का दर्द कई बार हमारी रोजमर्रा की आदतों से भी प्रभावित होता है। गलत खान-पान, नींद की कमी, तनाव, शरीर में पानी की कमी और जीवनशैली की कुछ गलत आदतें इसके लक्षणों को बढ़ा सकती हैं। यही वजह है कि माइग्रेन से पीड़ित लोगों को अपनी दिनचर्या में कुछ सावधानियां बरतने की सलाह दी जाती है। आइए जानते हैं ऐसी कौन-सी गलतियां हैं, जो माइग्रेन के दौरान परेशानी को और बढ़ा सकती हैं। शरीर में पानी की कमी - माइग्रेन के समय शरीर में पानी की कमी होना दर्द को बढ़ाने वाले कारणों में शामिल हो सकता है। जब शरीर को पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं मिलता, तो शरीर के सामान्य कामकाज पर असर पड़ सकता है और थकान, चक्कर या सिर में भारीपन जैसी समस्याएं महसूस हो सकती हैं। पानी शरीर के तापमान को नियंत्रित रखने और कोशिकाओं को सही तरीके से काम करने में मदद करता है। इसलिए दिनभर थोड़ी-थोड़ी मात्रा में पानी पीते रहना जरूरी है। पानी के अलावा नारियल पानी, सूप या पानी से भरपूर फल भी शरीर में तरल पदार्थों की कमी पूरी करने में मदद करते हैं। नींद के साथ लापरवाही करना- माइग्रेन और नींद का संबंध काफी गहरा माना जाता है। कम सोना या रोज अलग-अलग समय पर सोना शरीर की प्राकृतिक घड़ी को प्रभावित कर सकता है, जिससे कुछ लोगों में माइग्रेन का खतरा बढ़ सकता है। पर्याप्त नींद लेने से शरीर और दिमाग को आराम मिलता है। कोशिश करें कि रोजाना एक निश्चित समय पर सोने और जागने की आदत बनाएं। आमतौर पर वयस्कों के लिए 7 से 9 घंटे की नींद फायदेमंद मानी जाती है। ज्यादा मात्रा में चाय, कॉफी या शराब लेना- कई लोग सिरदर्द के दौरान चाय या कॉफी का सहारा लेते हैं, लेकिन कैफीन का ज्यादा सेवन कुछ लोगों में माइग्रेन को बढ़ा सकता है। वहीं शराब भी कई लोगों के लिए माइग्रेन का ट्रिगर बन सकती है। अगर किसी खास पेय पदार्थ के बाद बार-बार दर्द शुरू होता है, तो उससे दूरी बनाना बेहतर हो सकता है।

बच्चों की सेहत के लिए जरूरी हैं फल और सब्जियां

बच्चों की अच्छी सेहत और सही विकास के लिए फल और सब्जियां बहुत जरूरी हैं। छोटी उम्र में बच्चे जो खाना सीखते हैं, उसका असर उनकी आगे की खाने की आदतों पर भी पड़ता है। इसलिए शुरुआत से ही बच्चों को अलग-अलग तरह की सब्जियां और फल खिलाने की कोशिश करनी चाहिए। बच्चों के लिए फल और सब्जियां तैयार करते समय उन्हें छोटे और आसानी से खाने लायक टुकड़ों में काटना अच्छा रहता है। इन्हें छोटे-छोटे कंटेनर में पहले से तैयार करके रखा जा सकता है, ताकि बच्चे को भूख लगने पर तुरंत हेल्दी स्नैक दिया जा सके। बच्चे को कितनी मात्रा में फल और सब्जियां चाहिए, यह उसकी उम्र और शारीरिक गतिविधि पर निर्भर करता है। सामान्य तौर पर 12 से 23 महीने के बच्चों को रोजाना करीब एक सर्विंग (करीब 75-100 ग्राम) फल और लगभग सवा सर्विंग (तीन चौथाई कप) सब्जियों की जरूरत हो सकती है। वहीं 2 से 4 साल की उम्र में करीब एक से डेढ़ सर्विंग (एक से डेढ़ कप कटे हुए) फल और लगभग सवा से पौने दो सर्विंग सब्जियां दी जा सकती हैं। बच्चों की प्लेट को जितना रंग-बिरंगा बनाया जाए, उतना ही उन्हें अलग-अलग खाद्य पदार्थ आजमाने में रुचि हो सकती है। इसे आप रेनबो प्लेट की तरह बना सकते हैं। बच्चों की प्लेट में गाजर, मटर, पालक, शकरकंद और चुकंदर जैसी सब्जियां शामिल की जा सकती हैं। फलों में केला, स्ट्रॉबेरी, नाशपाती, संतरा, खरबूजा और एवोकाडो जैसे विकल्प दिए जा सकते हैं, हालांकि सिर्फ फल और सब्जियां ही पर्याप्त नहीं हैं। बच्चों की डाइट में प्रोटीन, डेयरी और साबुत अनाज जैसे दूसरे पोषक खाद्य पदार्थों भी शामिल होने चाहिए। जब बच्चा करीब 6 महीने का हो जाए, तब आमतौर पर मां के दूध या शिशु फॉर्मूला के साथ दूसरे खाद्य पदार्थों की शुरुआत की जा सकती है।

मानसून में भूलकर भी न खाएं ये चीजें, छोटी सी गलती से बिगड़ सकती है सेहत

बारिश का मौसम आते ही गर्मी से राहत मिलती है, लेकिन इस मौसम में सेहत को लेकर थोड़ी सावधानी रखना भी जरूरी होता है। बारिश के दिनों में हवा में नमी ज्यादा होती है, जिसके कारण बैक्टीरिया और कीटाणु तेजी से बढ़ने लगते हैं। यही वजह है कि इस समय पेट दर्द, उल्टी, दस्त, गैस और खाने से होने वाली बीमारियों के मामले बढ़ जाते हैं। मानसून में हमारा पाचन तंत्र भी थोड़ा कमजोर होता है, इसलिए इस मौसम में ऐसा खाना खाना चाहिए जो साफ, ताजा और आसानी से पच सके। कुछ ऐसी चीजें हैं, जिनसे बारिश के मौसम में बचना चाहिए।

हरी पत्तेदार सब्जियां- पालक, मेथी, बथुआ और दूसरी हरी सब्जियां शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होती हैं। इनमें आयरन, फाइबर और कई जरूरी विटामिन पाए जाते हैं, जो शरीर को ताकत देते हैं और खून बनाने में मदद करते हैं। लेकिन बारिश के मौसम में इन सब्जियों में मिट्टी, छोटे कीड़े और गंदगी ज्यादा चिपक सकती है। नमी के कारण इनमें कीटाणु भी बढ़ सकते हैं। इसलिए अगर हरी सब्जियां खानी हैं तो उन्हें अच्छी तरह धोकर और पूरी तरह पकाकर ही खाएं। अधपकी या ठीक से साफ न की गई सब्जियां पेट की परेशानी बढ़ा सकती हैं।

खुले में रखे फल और स्ट्रीट फूड- बारिश में सड़क किनारे मिलने वाले कटे हुए फल, चाट, गोलगप्पे और दूसरी खुली चीजों को खाने से बचना चाहिए। खुले में रखे खाने पर मक्खियां बैठती हैं और धूल-मिट्टी भी जमा होती है। ऐसे खाने में कीटाणु पहुंचने का खतरा रहता है, जिससे पेट खराब, उल्टी या दस्त जैसी समस्या हो सकती है। फलों को घर लाकर अच्छी तरह धोकर खाएं।

बहुत ज्यादा ठंडी चीजें- बारिश के मौसम में आइसक्रीम, बर्फ वाले पेय और बहुत ठंडी चीजें खाने का मन करता है। हालांकि, ज्यादा ठंडी चीजें कुछ लोगों में गले की परेशानी, खांसी या पेट की समस्या बढ़ा सकती हैं।

तली हुई चीजें- बारिश में पकौड़े, समोसे और कचौड़ी खाने का मजा अलग होता है। लेकिन इनमें तेल की मात्रा ज्यादा होती है। ज्यादा तेल वाला खाना पचने में समय लेता है और गैस, एसिडिटी या पेट भारी होने की समस्या पैदा कर सकता है। इसलिए मानसून में तली हुई चीजें कभी-कभी और कम मात्रा में खाना बेहतर होता है।

हमेशा ताजे और अच्छी तरह रखे हुए सामान का ही इस्तेमाल करें।

क्या आप जानते हैं सुबह खाली पेट भीगी हुई किशमिश खाने से क्या होता है?

सुबह खाली पेट भीगी हुई किशमिश का सेवन स्वास्थ्य के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। आयुर्वेद में बासी या रातभर पानी में भिगोई गई किशमिश को आहार में शामिल करने की सलाह दी जाती है। जब आप किशमिश को पानी में भिगोते हैं, तो उसमें मौजूद नेचुरल शर्करा और पोषक तत्व और अधिक डाइजेस्टिबल हो जाते हैं। साथ ही, इसकी तासीर संतुलित हो जाती है, जिससे यह पेट को बिना नुकसान पहुंचाए फायदे पहुंचाती है। ऐसे में यहां हम आपको बताने जा रहे हैं सुबह खाली पेट भीगी हुई किशमिश खाने से क्या क्या फायदे होते हैं। किशमिश में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है। जब इसे भिगोया जाता है, तो इसका फाइबर पानी सोखकर फूल जाता है, जिससे यह पेट के लिए एक नेचुरल लेक्सेटिव की तरह काम करता है। नियमित रूप से सुबह इसका सेवन करने से कब्ज, गैस और एसिडिटी की समस्या से हमेशा के लिए राहत मिलती है। यह आंतों की सफाई करके पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है। अगर आप या आपके परिवार में कोई शरीर में खून की कमी या हीमोग्लोबिन के गिरते स्तर से परेशान है, तो भीगी किशमिश इसका सबसे बेहतरीन इलाज हो सकता है। किशमिश आयरन, कॉपर और बी-कॉम्प्लेक्स विटामिन का बेहतरीन सोर्स है। यह शरीर में रेड ब्लड सेल्स के निर्माण को बढ़ाती है, जिससे कमजोरी और थकान दूर होती है। किशमिश में पोटैशियम की मात्रा बहुत अधिक होती है। पोटैशियम शरीर में सोडियम के प्रभाव को संतुलित करने में मदद करता है, जिससे हाई ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है। यह वर्कआउट करने वालों के लिए एक बेहतरीन प्री-वर्कआउट स्नैक है।

मानसून में तीन दिन तक बुखार रहने पर कराएं ये जरूरी टेस्ट

मानसून का मौसम भीषण गर्मी से राहत तो लाता है, लेकिन अपने साथ कई तरह के संक्रमण और बीमारियां भी लेकर आता है। बारिश के दिनों में जलजमाव और नमी के कारण मच्छर, बैक्टीरिया और वायरस तेजी से पनपते हैं।

यही वजह है कि इस मौसम में डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। अक्सर लोग बुखार आने पर इसे सामान्य वायरल समझकर खुद ही दवाइयां लेने लगते हैं। हालांकि, यदि मानसून के मौसम में बुखार लगातार 3 दिन या उससे अधिक समय तक बना रहे, तो यह किसी गंभीर संक्रमण का संकेत हो सकता है। ऐसे में लंबे समय तक बुखार रहने पर जांच कराना जरूरी है। समय पर सही जांच न कराने से स्थिति बिगड़ सकती है।

डॉ. नेहा रस्तोगी, सीनियर कंसल्टेंट, संक्रामक रोग विभाग, फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट, गुरुग्राम बता रही हैं कि लगातार तीन दिनों बुखार रहने पर कौन सा टेस्ट करवाना चाहिए। डॉक्टर के मुताबिक तीन दिन से बुखार रहना सामान्य वायरल संक्रमण का संकेत हो सकता है, लेकिन इसे हल्के में लेना सही नहीं है। मानसून के दौरान जलभराव और गंदे पानी में चलने से इसका खतरा बढ़ जाता है।

पेट से जुड़ी समस्या बन न जाए कोलोरेक्टल कैंसर का कारण, जान लें कब करवाएं टेस्ट

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी, बिगड़ी लाइफस्टाइल और असंतुलित खान-पान के कारण पेट से जुड़ी समस्याएं बेहद आम हो गई हैं। हम अक्सर कब्ज, गैस या अपच जैसी तकलीफों को साधारण समझकर घरेलू नुस्खों या ओवर-द-काउंटर दवाइयों से दबाने की कोशिश करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि पेट और आंतों से जुड़ी लंबे समय की समस्याएं आगे चलकर कोलोरेक्टल कैंसर का रूप ले सकती हैं। ऐसे में डॉ. विनीत गोयल, कंसल्टेंट, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हार्ट इंस्टीट्यूट, ओखला बता रहे हैं कि कब इसका टेस्ट करवाना चाहिए। चलिए जानते हैं। इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर (IARC) के GLOBOCAN अनुमानों के अनुसार, कोलोरेक्टल कैंसर दुनिया भर में तीसरा सबसे ज्यादा होने वाले कैंसर में से एक है। वहीं कोलोरेक्टल कैंसर दुनिया में मौत का दूसरा सबसे बड़ा कारण है। हर साल इसके लगभग 19.3 लाख नए मामले सामने आते हैं और लगभग 9.04 लाख लोगों की मौत होती है। कोलोरेक्टल कैंसर के सबसे कॉमन लक्षणों में बिना दर्द वाली गांठ, पेट में ऐंठन जैसा दर्द, आंत में रुकावट, एनीमिया, मल में खून आना और बहुत ज्यादा थकान महसूस होना शामिल हैं। भूख कम लगना, पीलिया और हड्डियों में दर्द कैंसर भी कैंसर के कारण हैं। ये लक्षण अन्य गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर, जैसे छोटी आंत के ट्यूमर और पेट के कैंसर से भी मिलते-जुलते हो सकते हैं। साथ ही, इन लक्षणों का होना अपने आप में यह साबित नहीं करता कि शरीर में कैंसर है। कोलोरेक्टल कैंसर जेनेटिक भी हो सकता है।

फैटी लिवर, डेंगू और डायबिटीज में कैसे करें गिलोय का सेवन

गिलोय (टिनोस्पोरा कॉर्डिफोलिया) एक बेल वाला पौधा होता है जो आमतौर पर जंगलों और झाड़ियों में पाया जाता है। गिलोय का इस्तेमाल लंबे समय से आयुर्वेदिक दवाओं में किया जाता रहा है। कोरोना में गिलोय के फायदे जानने के बाद आम लोगों ने भी इसे अपने घरों में लगाना शुरू कर दिया।

गिलोय आसानी से उगने और लंबा होने वाला पौधा है। आप घर में भी इसकी बेल लगा सकते हैं। आइये जानते हैं गिलोय का इस्तेमाल किन बीमारियों को ठीक करने में किया जाता है।

गिलोय के पत्ते पान और मनी प्लांट के पत्तों से बड़े होते हैं। गिलोय की पहचान करना आसान है।

इसकी पत्तियां पान के पत्तों जैसी होती हैं और इनका रंग गहरा हरा होता है। आप गिलोय को अपने घरों में सजावट के लिए भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

गिलोय को आयुर्वेद में गुड़ुची और अमृता जैसे नामों से भी जाना जाता है। आयुर्वेद के अनुसार, गिलोय की बेल जिस पेड़ पर चढ़ती है, उसके गुण भी उसमें आ जाते हैं। इसलिए नीम के पेड़ पर चढ़ने वाली गिलोय की बेल को दवा के लिहाज से सबसे अच्छा माना जाता है। इसे नीम गिलोय के नाम से जाना जाता है।

डॉक्टर से जानें शरीर में दिखते हैं कौन से हैं लक्षण और कैसे करें अपना बचाव?

मानसून के दौरान डेंगू, चिकनगुनिया और स्वाइन फ्लू के मामलों में बढ़ोतरी होने लगती है। बारिश के बाद जगह-जगह जमा पानी मच्छरों के पनपने के लिए वातावरण बनाता है, जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। हाल ही मे सामने आए आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में अब तक डेंगू के 1179 मामले सामने आए हैं। 210 मरीज दिल्ली से बाहर के है। दिल्ली के अस्पतालों में कुल 1389 डेंगू के मरीज है वहीं स्वाइन फ्लू के अब तक 1344 मामले सामने आए है। हालांकि, राहत की बात यह है कि दोनों ही मामलों में अब तक कोई मौत दर्ज नहीं हुई है। लेकिन बढ़ती संख्या को देखते हुए सतर्कता कम नहीं की जानी चाहिए। बता दें, डेंगू और स्वाइनफ्लू दोनों वायरल संक्रमण हैं, लेकिन इनके फैलने का तरीका अलग है। डेंगू संक्रमित एडीज मच्छर के काटने से फैलता है, जबकि H1N1 संक्रमित व्यक्ति के खांसने, छींकने या उसके निकट संपर्क में आने से फैल सकता है। बरसात, नमी, जगह-जगह जमा पानी और घरों के आसपास मच्छरों के प्रजनन की अनुकूल परिस्थितियां डेंगू के मामलों को बढ़ा सकती हैं। दूसरी ओर, भीड़भाड़ वाले बंद स्थानों और संक्रमित व्यक्ति के निकट संपर्क से फ्लू तेजी से फैल सकता है। तेज बुखार, सिरदर्द, आंखों के पीछे दर्द, बदन दर्द, उल्टी या त्वचा पर चकत्ते डेंगू के लक्षण हो सकते हैं।

सुबह का ये 1 गिलास पानी, गैस, एसिडिटी और मोटापे से दिलाता है छुटकारा

सुबह खाली पेट नॉर्मल पानी की जगह गुनगुना पानी पीना चाहिए। इससे सेहत को कई फायदे मिलते हैं। वहीं जिन लोगों को गैस, एसिडिटी और ब्लोटिंग की समस्या रहती है उन्हें नॉर्मल गर्म पानी की बजाय सौंफ का पानी पीने की सलाह दी जाती है। डाइटिशियन डॉक्टर स्वाति सिंह की मानें तो सौंफ का पानी गैस की समस्या में सबसे ज्यादा फायदा करता है। गैस से बचने के लिए जिन दवाओं का इस्तेमाल किया जाता है उनमें भी सौंफ का इस्तेमाल होता है। वहीं सौंफ का पानी तेजी से वजन घटाने में भी मदद करता है। खाने के बाद माउथ फ्रेशनर के तौर पर भी सौंफ का इस्तेमाल किया जाता है। यानि सुबह 1 गिलास सौंफ का पानी गैस, एसिडिटी, ब्लोटिंग से बचाता है और तेजी से वजन भी कम करता है। जानिए सौंफ का पानी क्यों है इतना फायदेमंद?

गर्मी में रोज सुबह सौंफ का पानी पीने से पेट को ठंडक मिलती है और जलन शांत होती है।

जो लोग सुबह सौंफ वाला पानी पीते हैं उनका पाचन मजबूत होता है और डाइजेशन में मदद मिलती है।

लिवर को डिटॉक्सिफाई और क्लीन करने में भी सौंफ का पानी मदद करता है। इससे शरीर में जमा फैट कम होता है।

जिन लोगों को कब्ज की समस्या रहती है उन्हें सौंफ का पानी जरूर पीना चाहिए।

अगर आपको बहुत गैस, एसिडिटी या ब्लोटिंग होती है तो सुबह सौंफ वाला पानी जरूर पीएं।

ब्लड प्रेशर को ठीक रखने में भी सौंफ का पानी मदद करता है इससे बीपी कंट्रोल रहता है।

भरपूर फाइबर होने की वजह से सौंफ को पेट के लिए अच्छा माना जाता है।

सौंफ का पानी शरीर और दिमाग को शांत करने का काम करता है और स्ट्रेस कम करता है।

दूध पिलाने वाली मां को भी सौंफ का पानी फायदा करता है इससे दूध ज्यादा बनता है।

सौंफ का पानी बनाने के लिए एक गिलास पानी लें और उसमें एक चम्मच सौंफ के बीज डाल दें। रातभर इस पानी को ऐसे ही रहने दें और सुबह इसे हल्का गुनगुना या फिर ऐसे ही छानकर पी लें। गर्मी में आप इस पानी को ऐसे ही पी सकते हैं। आप चाहें तो सौंफ को फेंक दें या फिर इसे चबाकर खा लें।

आपको बहुत ज्यादा गैस और एसिडिटी की समस्या रहती है तो खाने के बाद 1 चम्मच सौंफ जरूर खाएं।

अगर स्वाद बढ़ाना है तो रोजाना सौंफ में थोड़ी मिश्री मिलाकर खाएं। गर्मी में सौंफ और मिश्री पेट को ठंडक पहुंचाती है।

इससे आपके पेट फूलने की समस्या कम होगी। गैस और एसिडिटी में भी राहत मिलेगी।

सौंफ का पानी तैयार करना बेहद आसान है।

इसके लिए एक गिलास पानी में करीब एक चम्मच सौंफ डालकर रातभर के लिए छोड़ दें।

भारत-इजरायल डिफेंस डील की खबर निकली फर्जी, MEA ने बताया AI से फैलाई गई अफवाह

नई दिल्ली। पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्की के बीच हुए नए सुरक्षा समझौते के बाद भारत के इजरायल से रक्षा समझौता करने की खबरों को विदेश मंत्रालय ने फर्जी करार दिया है। MEA ने कहा कि सोशल मीडिया पर गलत और भ्रामक जानकारी फैलाई जा रही है। मंत्रालय की फैक्ट चेक यूनिट ने एक रिपोर्ट का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए उसे 'फेक न्यूज' बताया और लोगों को ऐसी पोस्ट से सावधान रहने की अपील की। दरअसल, तुर्की की मीडिया वेबसाइट 'Straturka' की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्की के बीच हुए सुरक्षा ढांचे के जवाब में भारत ने इजरायल के साथ रक्षा समझौते को लेकर बातचीत शुरू की है। रिपोर्ट में पाकिस्तानी सूत्रों के हवाले से यह दावा किया गया था। इसके बाद यह खबर सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गई। MEA ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि ऐसी पोस्ट को बढ़ावा नहीं दिया जाना चाहिए, जिनमें AI की मदद से फर्जी सामग्री तैयार की जाती है। मंत्रालय की फैक्ट चेक यूनिट ने 'X' पर लिखा कि इस तरह के दुर्भावनापूर्ण पोस्ट से सावधान रहने की जरूरत है। बता दें कि पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्की ने 'मक्का जॉइंट डिफेंस एग्रीमेंट' पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते का उद्देश्य तीनों देशों के बीच सैन्य सहयोग और सुरक्षा तालमेल बढ़ाना है।

'नेताओं को अंडे फेंके जाने से नहीं डरना चाहिए', महुआ मोइत्रा की याचिका सुप्रीम कोर्ट ने ठुकराई

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने एक कथित विवादित फेसबुक पोस्ट से जुड़े मामले में जांच अधिकारी के सामने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश होने की इजाजत मांगी थी। महुआ का कहना था कि अगर वह पुलिस स्टेशन पहुंचीं तो उन पर अंडे फेंके जा सकते हैं, इसलिए उन्हें वर्चुअल तरीके से जांच में शामिल होने की इजाजत दी जाए। जस्टिस दीपांकर दत्ता और शील नागू की पीठ ने इस दलील को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। सुनवाई के दौरान अदालत ने कड़ी मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि जो व्यक्ति राजनीति में आता है, उसे ऐसे विरोधों से डरना नहीं चाहिए। कोर्ट ने कहा कि देश की आजादी के लिए स्वतंत्रता सेनानियों ने गोलियों का सामना किया था, ऐसे में आज के नेताओं को अंडे फेंके जाने की आशंका के आधार पर जांच से बचने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी साफ किया कि केवल आशंका के आधार पर किसी आरोपी को जांच अधिकारी के सामने शारीरिक रूप से पेश होने से छूट नहीं दी जा सकती, खासकर जब जांच के लिए उसकी मौजूदगी जरूरी हो। अदालत ने महुआ मोइत्रा को राहत देने से इनकार करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश में दखल देने से भी मना कर दिया। इससे पहले महुआ मोइत्रा ने कलकत्ता हाईकोर्ट का रुख किया था। हाईकोर्ट ने उन्हें 14 अगस्त को जांच अधिकारी के सामने पेश होकर जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया था। साथ ही राज्य सरकार को उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कहा था। हाईकोर्ट ने यह भी आदेश दिया था कि 5 अक्टूबर तक उनके खिलाफ कोई कठोर कार्रवाई न की जाए, जिससे उन्हें गिरफ्तारी जैसी कार्रवाई से अंतरिम राहत मिली हुई है। यह मामला महुआ मोइत्रा की एक सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़ा है। आरोप है कि उन्होंने पश्चिम बंगाल में नेताओं पर अंडे फेंकने की घटनाओं को लेकर फेसबुक पर विवादित टिप्पणी की थी।

परिसीमन बिल से पहले PM मोदी का मास्टरस्ट्रोक! नए सहयोगियों को साधने की तेज हुई कवायद

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संसद के आगामी सत्र और अहम विधेयकों को लेकर एनडीए का दायरा लगातार बढ़ाने में जुटे हैं। इसी कड़ी में शुक्रवार को प्रधानमंत्री ने हाल ही में एनडीए के साथ आए 45 सांसदों को नाश्ते पर बुलाया। इस बैठक में एनसीपीआई (NCPI), शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट), रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले गुट), राष्ट्रीय लोकमोर्चा, AIADMK और UPPL के सांसद शामिल हुए। सबसे ज्यादा चर्चा NCPI के उन 20 सांसदों की रही, जो हाल ही में तृणमूल कांग्रेस से अलग होकर एनडीए में आए हैं। NCPI के 20 सांसदों में 3 मुस्लिम सांसद खलील-उर-रहमान, अबु ताहेर खान और यूसुफ पठान भी शामिल रहे। इससे पहले ये तीनों एनडीए की 'मंगल मिलन' बैठक में शामिल नहीं हुए थे और कहा जा रहा था कि वे NDA में सहज नहीं हैं। हालांकि इस बार तीनों प्रधानमंत्री आवास पहुंचे। सूत्रों के मुताबिक, उन्होंने SIR के दौरान लंबित मतदाताओं के नाम जल्द जोड़ने और पश्चिम बंगाल में मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने की शिकायतों पर भी केंद्र से चर्चा की।

खेजरोली में कांग्रेस की संगठनात्मक बैठक, निकाय चुनाव की तैयारियों को लेकर कार्यकर्ताओं में भरा जोश

खेजरोली (जयपुर) अशोक कुमार गुर्जर। स्थानीय विधायक मनीष यादव के नेतृत्व में कस्बे के एक निजी गार्डन में नगर कांग्रेस कमेटी की संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में आगामी नगर निकाय चुनाव की तैयारियों, संगठन की मजबूती और बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी को लेकर विस्तृत मंथन हुआ। बैठक में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की मौजूदगी ने कांग्रेस की चुनावी तैयारियों को लेकर उत्साह का संदेश दिया। बैठक को संबोधित करते हुए स्थानीय विधायक मनीष यादव ने कहा कि संगठन की मजबूती ही चुनावी विजय की आधारशिला है। विधायक ने कार्यकर्ताओं से घर-घर जनसंपर्क अभियान चलाने, नए मतदाताओं को जोड़ने तथा बूथ स्तर पर संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का आह्वान किया। और विश्वास जताया कि कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता के सहयोग से कांग्रेस निकाय चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करेगी। जिला कांग्रेस अध्यक्ष गोपाल मीणा ने कहा कि कांग्रेस संगठन की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। प्रत्येक बूथ पर मजबूत संगठनात्मक ढांचा खड़ा करने, कार्यकारिणी को सक्रिय बनाने तथा आमजन के बीच पार्टी की नीतियों को प्रभावी ढंग से पहुंचाने का आह्वान किया। आगामी निकाय चुनाव में कांग्रेस पूरी मजबूती और एकजुटता के साथ मैदान में उतरेगी। बैठक में पीसीसी जिला प्रभारी आर.सी. चौधरी ने संगठनात्मक अनुशासन, समन्वय और सक्रियता पर जोर देते हुए कहा कि सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर चुनावी तैयारियों में जुटें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को प्राथमिकता दें और पार्टी की विचारधारा को मजबूती से आगे बढ़ाएं। बैठक के दौरान ब्लॉक अध्यक्ष मुकेश गुर्जर, नगर अध्यक्ष सुरेश मीणा ने विचार साझा किए । बैठक में संगठन विस्तार, बूथ प्रबंधन, चुनावी रणनीति और कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा आगामी नगर निकाय चुनाव में कांग्रेस की जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। बैठक में जितेंद्र हेमाका ,दीपक शर्मा, मुक्ति बराला , विक्रम चौहान ने बीजेपी छोड़कर कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। बैठक में मदन मोहन यादव, हरि सैनी, शिंभू सैनी, मंगल सरपंच, सीताराम, लालचन्द, महेश कुमावत, गोपाल सेपट, इमरान, अभिषेक, महिपाल, राकेश जांगिड, इलियास, महबूब, महादेव सैनी, जितेन्द्र, मालीराम बाज्या, मोहन, विक्रम चौहान, कैलाश बुनकर, रामप्रकाश, श्याम, राजेश सोकरियाँ, रामनिवास, बजरंग, कमल सैनी सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसके लिए कार्यकर्ताओं को स्थानीय स्तर पर मतदाताओं से निरंतर संवाद बनाए रखने, उनकी समस्याओं को समझने तथा पार्टी संगठन तक उनकी बात पहुंचाने की जिम्मेदारी निभानी होगी। नेताओं ने कहा कि नगर क्षेत्र में सड़क, सफाई, पेयजल, नाली, प्रकाश व्यवस्था और अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़े मुद्दे आमजन के लिए महत्वपूर्ण हैं।

मॉनसून सत्र के आखिरी 4 दिन क्यों हैं बेहद खास? कांग्रेस और बीजेपी दोनों ने कसी कमर

नई दिल्ली। संसद के मॉनसून सत्र के आखिरी 4 दिन बेहद अहम माने जा रहे हैं। कांग्रेस ने अपने सभी सांसदों के लिए व्हिप जारी कर दिया है, वहीं बीजेपी ने भी अपने सांसदों और NDA के सहयोगी दलों से सदन में मौजूद रहने को कहा है। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह डिलिमिटेशन (परिसीमन), महिला आरक्षण और FCRA बिल को लेकर बढ़ा सस्पेंस है। विपक्ष को आशंका है कि सरकार आखिरी समय में इनमें से कोई बड़ा विधेयक पेश कर सकती है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी विपक्षी दलों से अपने सांसदों की मौजूदगी सुनिश्चित करने की अपील की है। हालांकि सरकार ने अभी तक इन विधेयकों को पेश करने की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने साफ कहा है कि डिलिमिटेशन और महिला आरक्षण बिल सरकार की प्राथमिकता हैं। उन्होंने कहा कि दोनों विधेयक जरूर आएंगे, लेकिन कब पेश होंगे और कब पारित होंगे, इसकी जानकारी बाद में दी जाएगी। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नए सांसदों के साथ बैठक और गृह मंत्री अमित शाह की अलग-अलग दलों के सांसदों से मुलाकात ने सियासी हलचल और तेज कर दी है। डिलिमिटेशन और महिला आरक्षण विधेयक पास कराने के लिए संसद में दो-तिहाई बहुमत की जरूरत होगी, जबकि FCRA बिल साधारण बहुमत से पारित हो सकता है। माना जा रहा है कि सरकार पहले FCRA बिल पेश कर राजनीतिक समर्थन का माहौल बनाना चाहती है। इसी रणनीति के तहत अमित शाह ने चर्च प्रतिनिधियों और FCRA से जुड़े पक्षों से मुलाकात की। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व DMK सांसद पी. विल्सन ने किया। उन्होंने सरकार से विवादित प्रावधान हटाने या बिल को JPC के पास भेजने की मांग की। उनका कहना था कि बिल में मौजूदा प्रावधान के तहत विदेशी चंदे का हिसाब न देने पर संस्थाओं की संपत्ति सरकार के कब्जे में जा सकती है, जिसका दुरुपयोग संभव है। बता दें कि चर्चों और ईसाई संगठनों ने भी ऐसी ही आशंका जताई है। सरकार की नजर अब DMK के समर्थन पर भी है। सूत्रों के मुताबिक डिलिमिटेशन बिल को लेकर दोनों पक्षों के बीच बातचीत चल रही है। माना जा रहा है कि इनमें से कुछ मांगों पर सहमति बन सकती है।

अब कर्नाटक में होटलों पर शुरू हुई रेड, 30 स्पेशल टीमें बनी, खराब खाने और साफ-सफाई में कमी की शिकायतों के बाद एक्शन

अब कर्नाटक में होटलों पर शुरू हुई रेड, 30 स्पेशल टीमें बनी, खराब खाना और साफ-सफाई में कमी की शिकायतों के बाद एक्शन

महाराष्ट्र के बाद अब कर्नाटक में भी खाने की गुणवत्ता और साफ-सफाई की जांच के लिए होटलों पर रेड शुरू कर दी गई है। कर्नाटक के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग ने मंत्री यूटी खादर के निर्देश पर बेंगलुरु और राज्य की अन्य प्रमुख जगहों पर होटलों में फूड क्वालिटी चैक के लिए रेड्स शुरू की है। इस जांच के लिए प्रशासन ने 30 विशेष टीमों का गठन किया गया है। यह कदम खाने की खराब क्वालिटी और साफ-सफाई की कमी के बारे में कई शिकायतों के बाद उठाया गया है। कर्नाटक स्वास्थ्य विभाग के खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीनिवास ने कहा कि यह फैसला तब लिया गया जब विभाग को नागरिकों और सोशल मीडिया से रेस्तरां, होटलों और फूड आउटलेट्स में खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन के बारे में कई शिकायतें मिलीं। खाद्य सुरक्षा और प्रशासन विभाग के अधिकारियों वाली ये टीमें बेंगलुरु और कर्नाटक की अन्य "प्रसिद्ध जगहों" पर अचानक जांच कर रही हैं जहां लोगों की आवाजाही ज्यादा होती है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने खाने की क्वालिटी के बारे में शिकायतें सुनने के बाद,सख्त कार्रवाई करने का फैसला किया है। 30 टीमें बनाई गई हैं और वे होटलों में छापेमारी कर खाद्य सुरक्षा मानकों की जांच कर रही हैं। ये टीमें एक्सपायर हो चुकी सामग्री, खाना पकाने के अस्वच्छ तरीके, गलत तरीके से सामान रखना, प्रतिबंधित रंगों और रसायनों का इस्तेमाल और लेबलिंग नियमों के उल्लंघन की जांच कर रही है। अधिकारियों ने बताया है कि जांच अभियान अगले कुछ हफ्तों तक जारी रहेगा और बाद में इसे राज्य भर के कॉलेजों, हॉस्टलों और कैटरिंग सेवाओं तक बढ़ाया जाएगा। बता दें कि शुक्रवार को महाराष्ट्र में IIT बॉम्बे के कैंपस में भी कैंटीन पर कार्रवाई की गई है। यह कार्रवाई हाल के महीनों में वायरल हुए कई वीडियो और ग्राहकों की शिकायतों के बाद की जा रही है। इन शिकायतों में घटिया खाना, गोबी मंचूरियन और कबाब जैसे व्यंजनों में कृत्रिम रंगों का इस्तेमाल और बेंगलुरु व अन्य शहरों के लोकप्रिय भोजनालयों की रसोई में गंदगी का आरोप लगाया गया था। पिछले साल, विभाग ने स्ट्रीट फूड में फूड पॉइजनिंग और कृत्रिम रंगों के इस्तेमाल की खबरों के बाद "ऑपरेशन ईट राइट" जैसा ही एक अभियान शुरू किया था। कई होटलों को नोटिस जारी किए गए थे और जुर्माना वसूला गया था। बेंगलुरु में क्लाउड किचन, पब और देर रात तक खाना पहुंचाने की सेवाओं में तेजी को देखते हुए अधिकारियों का कहना है कि निगरानी और जरूरी हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वाले होटलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की चेतावनी दी है, जिसमें लाइसेंस रद्द करना और गंभीर मामलों में FIR दर्ज करना शामिल है। फूड सेफ्टी विभाग ने नागरिकों से यह भी अपील की है कि वे FSSAI हेल्पलाइन और राज्य के शिकायत पोर्टल के जरिए नियमों के उल्लंघन की रिपोर्ट करें।

चोरी-झपटमारी के खिलाफ दिल्ली पुलिस का बड़ा ऑपरेशन, 23 को धर दबोचा

दिल्ली में अपराध पर लगाम लगाने के लिए पुलिस की ओर से चलाए गए एंटी क्राइम ड्राइव में कई बड़ी कार्रवाइयां सामने आई हैं। इस दौरान पुलिस ने चोरी और झपटमारी के करीब 400 मोबाइल फोन और 60 से ज्यादा चोरी के दोपहिया वाहन भी बरामद किए गए हैं। पुलिस ने अभियान के दौरान दो नाबालिगों समेत कुल 23 लोगों को पकड़ा है। कार्रवाई में अवैध हथियार और लाखों रुपये के आभूषण भी बरामद हुए हैं। दिल्ली पुलिस ने अपराध के खिलाफ 72 घंटे तक विशेष अभियान चलाया। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, इस दौरान चोरी और झपटमारी के मोबाइल फोन के नेटवर्क का पता लगाने में बड़ी सफलता मिली। अभियान के दौरान अलग-अलग पुलिस टीमों ने चोरी, झपटमारी और वाहन चोरी से जुड़े मामलों में कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, कुल 390 मोबाइल फोन बरामद किए गए। इनमें सबसे ज्यादा 66 मोबाइल फोन सुभाष नगर पुलिस थाने की टीम ने बरामद किए। इसके बाद एंटी-बर्गलरी सेल ने 54 और जहांगीर पुलिस थाने ने 46 चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि टीम ने चोरी और झपटमारी के मोबाइल फोन की खरीद-फरोख्त करने वाले नेटवर्क का पता लगाया है।

शाहपुरा में कांग्रेस की संगठनात्मक बैठक, निकाय चुनाव की तैयारियों को लेकर कार्यकर्ताओं में भरा जोश

शाहपुरा (जयपुर) अशोक कुमार गुर्जर। स्थानीय विधायक मनीष यादव के नेतृत्व में कस्बे के एक निजी गार्डन में नगर कांग्रेस कमेटी शाहपुरा की संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला अध्यक्ष गोपाल मीणा, पीसीसी महासचिव जिला प्रभारी आरसी चौधरी में भी शामिल हुए। बैठक में आगामी नगर निकाय चुनाव की तैयारियों, संगठन की मजबूती और बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी को लेकर विस्तृत मंथन हुआ। बैठक में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की मौजूदगी ने कांग्रेस की चुनावी तैयारियों को लेकर उत्साह का संदेश दिया। बैठक को संबोधित करते हुए स्थानीय विधायक मनीष यादव ने कहा कि कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत उसका मजबूत संगठन और समर्पित कार्यकर्ता हैं। बैठक में सतीश धेधड, समदाराम भड़ाना, गोपाल रावत, जितेंद्र शर्मा, आलोक खंडेलवाल, मंगल गुर्जर, NSUI जिला अध्यक्ष निहाल पलसानिया, चंद्रभान पलसानिया, हरि नारायण गठाला जिला परिषद सदस्य, पूर्व प्रधान मंजु शर्मा, पार्षद घनश्याम सैनी, रामावतार गुर्जर, राजेंद्र सारण, कृष्ण, बनवारी, श्रीराम, ओमप्रकाश गुर्जर, मुकेश, कैलाश स्वामी, ओमप्रकाश, विपिन, असलम कुरैशी, निहाल, अक्षय सैनी, विशाल, रामफूल गुर्जर, सुभाष, मदन, बोदू, वकील, दामोदर गोयल, धोलाराम, बाबूलाल, कृष्ण, हनुमान, सत्यनारायण गुर्जर, मदन, लोकेश प्रभु, सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक प्रदीप सिंह के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व 1053, सोसाइटी नगर, शहीद भगत सिंह कॉलोनी, पाली, राजस्थान - 306401 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार I RNI No. - RJMUL/26/A4290 प्रबंध सम्पादक - प्रदीप सिंह, मो . 9983831415